RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ...सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-04, अंक - 30 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 28 अप्रैल 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

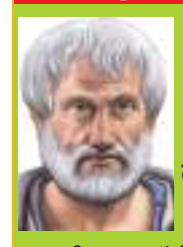

श्रेष्ठ होना कोई कार्य नहीं बल्कि हमारी आदत है जिन्हे हम बार-बार करते है।

अरस्तू

आखिर कब तक भाजपा जिलाध्यक्ष 3-3 माहीने का भोपाली रिचार्ज करवाकर अपने पद को बचाते रहेंगे...

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक कांग्रेस सरकार में प्रताड़ित होने का भोपाल में देता है हवाला, जबकि भाजपा सरकार में ही गुंडा लिस्ट में है नाम दर्ज

आडियो वायरल: अब भ्रष्टाचारी भाई नगिन के मोह में उलझा लक्ष्मण, अधिकारियों को समझने लगा अपने पैरों की जूती, हर अर्नगल कार्य भाजपा कार्यालय में अधिकारियों की हाजरी के साथ निपटा दिए जाते हैं की पुष्टि भी कर रहा चरित्रहीन नायक

माही की गूंज । संजय भटेवरा

झाबुआ। मातृशक्ति का सम्मान करने की हमारी भारतीय संस्कृति रही है, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक रूप से भारतीय संस्कृति व समाज के मूल्यों को बनाए रखने के लिए आदर्शों को बढ़ावा देना है। परंतु जब एक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में अपने अथक भूमिका निभाने वाला व्यक्ति हमारी सभी भारतीय संस्कृति, मूल्यों व आदर्शों को भूल गैर महिला को एक से अधिक जहां भी जाए वहां वासना की भूख के साथ कुदृष्टि से देख भोग की वासना रखने वाले, ऐसे व्यक्ति को जो भी संज्ञा दी जाए वह कम ही है। ऐसे व्यक्ति जो किसी पार्टी या संगठन में जहां भी रहे वहां अपनी छवि के साथ पार्टी या संगठन को भी कलंकित तो करता ही है, वरन हमारे समाज को भी कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। परंतु ऐसे व्यक्ति जो अपनी वासना की भूख के साथ अपने राजनीतिक प्रभाव को दिखा कर हमारे भारतीय समाज को क्या संदेश देना चाहता है यह समझ से परे है। लेकिन ताज्जुब की बात यही है कि, अपने सिद्धांतों पर चलने की बात करने वाली भाजपा में लक्ष्मण नायक रूपी इस नासूर को क्यों अब तक बख्शा जा रहा है...? यह जिले की नहीं वरन भोपाली राजनीतिक गलियारों तक चर्चा का विषय बन चुका है। ऐसे चरित्रहीन व्यक्ति से कोई उम्मीद करें कि, यह कोई सौहार्द पूर्ण व अच्छा कार्य करेगा तो शायद यह सोचना ही बेमानी होगी।

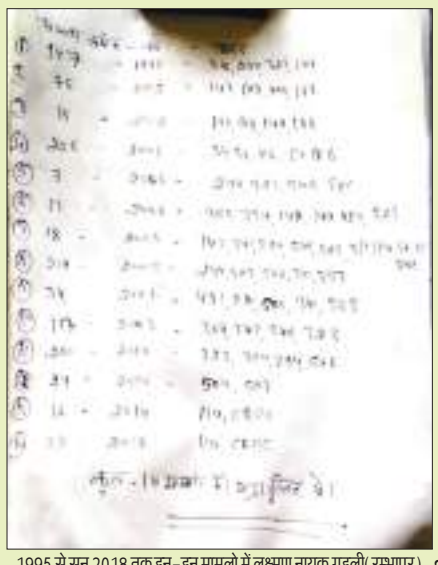

1995 से सन् 2018 तक इन-इन मामलो में लक्ष्मण नायक गडुली(रम्भापुर) विरूद्ध हुए मामले दर्ज ।

भोपाल तक फिर पहुंची लक्ष्मण नायक से शोषित दो महिलाएं, पर अब भी सुनवाई नहीं

झाबुआ जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक अपनी चरित्रहीन मानसिकता का परिचय देते हुए पेटलावद थाना क्षेत्र की एक महिला जो पति के साथ विवाद मामले में सहयोग हेतु भाजपा जिलाध्यक्ष से मुलाकात होने के बाद, नायक ने महिला के साथ भोग वासना की मंशा के चलते मोबाइल फोन कर-कर के कई आपत्तिजनक बातों के साथ महिला को बाथरूम में जाकर बात करने आदि अश्लील बातें की गई।

वहीं पिटोल चौकी क्षेत्र की एक महिला जिसे आर्थिक प्रलोभन व दबाव के साथ झांसे में लिया और अपने निजी वाहन के साथ कई स्थानों पर उक्त महिला के साथ शारीरिक शोषण कई बार किया। दोनों महिलाओं के ऑडियो- वीडियो वायरल हुए एवं झाबुआ से लेकर मुख्यमंत्री तक चरित्रहीन भाजपा जिलाध्यक्ष के विरुद्ध मामला दर्ज करने हेतु गुहार उक्त पीडित महिलाए लगा चुकी है। पर नायक अपने प्रभाव एवं भोपाली अपने राजनीतिक गुरूओ के सहयोग के साथ कोई कार्रवाई नहीं हुई। नतीजन हाल ही में पेटलावद थाना क्षेत्र की महिला अपने बच्चों एवं पति के साथ भोपाल पहुंची और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश महामंत्री व इंदौर संभाग के संगठन प्रभारी भगवानदास सतनामी के समक्ष अपनी पीड़ा बताते हुए, महिला के साथ हुए यौन शोषण मामले में नायक के विरुद्ध कार्रवाई करने की अपील की। महिला ने विडी शर्मा को बताया कि, राजनीतिक दबाव के साथ चरित्रहिन भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक द्वारा परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा है।

वही लक्ष्मण नायक से शोषित पिटोल क्षेत्र की महिला अपने पति के साथ भोपाल में सीएम से मिलने हेतु सीएम कार्यालय पहुंची। लेकिन वहां सुरक्षा गार्ड ने सीएम शिवराज चौहान से पीड़ित महिला की मुलाकात नहीं होने दी। लेकिन भोपाली मीडिया से रूबरू होकर महिला ने अपने आप को भाजपा कार्यकर्ता होना बताकर, लक्ष्मण नायक द्वारा गलत काम कई बार पिछले 2 वर्षों से किया जा रहा है बताया। जिसकी रिपोर्ट नहीं लिख उल्टा चरित्रहीन लक्ष्मण नायक के संरक्षण में झाबुआ पुलिस खड़ी होकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और न्याय की उम्मीद के साथ भोपाल सीएम से मिलने आए हैं मीडिया को बताया।

मयप्रूफ के महिलाओं के साथ हुए शोषण की शिकायत सीएम, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के साथ न्यायालय में पिटीशन दायर होने के बाद भी अब तक चरित्रहीन भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक अपने दांवपेच के साथ कानूनी शिकंजे से बचते आ रहे है तथा अपने भाजपाई जिलाध्यक्ष पद पर भी बने हुए हैं, जो भाजपा व भाजपा सरकार को भी कटघरे में लाकर खड़ा कर रहा है, जिसका नुकसान आने वाले समय में भाजपा को भुगतना पड़ सकता है।

भाजपाई राजनीतिक गलियारों की मानें तो, चर्चा है चरित्रहीन भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक महिलाओं के साथ किए शोषण मामले उजागर होने के बाद से इनके राजनीतिक भोपाली गुरूओ को 3-3 माह का नगदी रिचार्ज भाजपा जिला अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने के लिए देकर आते हैं। इतना ही नहीं भोपाली नेताओं को लक्ष्मण नायक द्वारा यह कहकर कन्वेंस किया जाता है कि, उन्होंने जिले में संघ में कार्य कर भाजपा के लिए कार्य करने के बदले कांग्रेस ने उसके ऊपर कई मामले दर्ज किए हैं और आज कांग्रेस मुझे भाजपा जिलाध्यक्ष पद पर बने रहने नहीं देना चाहती है कह कर गुमराह किया जा रहा है। जबकि लक्ष्मण नायक के विरुद्ध 1995 से लेकर 2018 तक अपराधिक मामले दर्ज होकर, अब तक भी महिला शोषण मामले में घिरे हुए हैं। वहीं भाजपा सरकार के दौरान 2009 से जिले के मेघनगर थाने की गुंडा लिस्ट क्रमांक 6 पर नाम दर्ज है।

शिवराज के राज में चरित्रहीन भाजपा जिलाध्यक्ष भ्रष्टाचार को बढावा देकर किस तरह से अधिकारियो पर बनाया जा रहा है दबाव सुने क्युआरकोड स्कैन कर।

भाजपा जिलाध्यक्ष का भ्रष्ट नाग रूपी भाई जिसने एक के बाद एक अपनी पद स्थापना के साथ ही सह.संस्था में गबन व खाद्यन्न की कालाबाजारी करने के बाद भी भाजपा सरकार में चरित्रवान होकर समाज में घुम रहा है।

बदनियति वाला कभी नहीं हो सकता नितीवान, नतीजन अपने भ्रष्टाचारी नाग रूपी भाई को बचाने के लिए नायक बता रहा अधिकारियों को अपना राजनीतिक प्रभाव

हम पहले ही कह चुके हैं कि, लक्ष्मण सिंह नायक जैसे चरित्रहीन व्यक्ति से कोई उम्मीद करें कि, यह कोई सौहार्दपूर्ण व अच्छा कार्य करेगा तो शायद यह सोचना ही बेमानी होगी। यह बात सत्य ही साबित होकर एक और वायरल ऑडियो के साथ सामने आ ही गया है। चरित्रहीन लक्ष्मण नायक का भाई नगीन नायक जिस पर लक्ष्मण नायक की पूरी मेहरबानी होकर आ.जा.स. संस्था में कार्यरत है और जिसके ऊपर चरित्रहीन लक्ष्मण नायक का हाथ हो उस भाई से भी ऐसी उम्मीद करना बेमानी होगी कि, वह लक्ष्मण नायक के विपरीत विचारों के साथ अच्छे कार्य कर सके। यहां लक्ष्मण नायक का भाई नगीन आ.जा.स. संस्था देवझिरी व पिटोल में भ्रष्टाचारी जहरीला नाग बनकर ऐसा डस रहा है कि, किसानों के साथ-साथ अब अधिकारियों के लिए भी यह भ्रष्ट नगीन रूपी नाग नासूर बन गया है।

बता दें कि, नगीन 2016 में देवझिरी आ.जा.स. संस्था में पदस्थ हुआ था। 2016 से लेकर 2018 तक में हीं संस्था में बड़े गबन व भ्रष्टाचार का मामला उजागर होकर 2 लाख 50 हज़ार का एक गबन किया। दुसरा गबन संस्था में किसानों के द्वारा 2 लाख 20 हज़ार रुपए जमा किए गए थे, जो शाखा सीसीबी में जमा नहीं करवाए। तीसरा केरोसिन में 2 लाख 15 हज़ार रुपए का गबन किया गया जिसमे आज भी रिक्करी बाकी है।

गबन के मामले में 2018 में सेवा समाप्त कर दी गई थी। तो वही भाई लक्ष्मण नायक के संरक्षण के साथ डीआर अमरीश वैद्य पर राजनीतिक दबाव के साथ सांठ-गांठ कर पुनः 2020 में नगीन की नियुक्ति देवझिरी संस्था में करवाकर, देवझिरी व गड़वाड़ा की दुकान का चार्ज लेकर गरीबों को तीन-तीन माह का अनाज फ्री में दिया जाना था। जिसे नगीन ने अपनी भ्रष्टाचार रूपी षड्यंत्र से रिकॉर्ड में तो गरीबों को अनाज दे दिया गया, लेकिन असल में गरीबों को अनाज किसी को आधा तो किसी को अनाज ही नहीं दिया और वह अनाज बड़ी मात्रा में स्टाक कर रात के अंधेरे में गोदाम से निकालकर कालाबाजारी करने की जुगत में था, उक्त शिकायत तात्कालिक मैनेजर भारतसिंह हाड़ा को मिली। शिकायत पर गोदामों के साथ अन्य जगह भी शिकायत अनुसार निरीक्षण किया, तो तीन जगह से 5 सौ 55 क्विंटल खाद्यान्न अधिक पाया गया। दुकान सील कर जांच रिपोर्ट बनाकर डीआर कार्यालय तक भिजवा दी गई। यहां भी मामले में नगिन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होनी थी, परंतु लक्ष्मण नायक व डीआर अमरीश वैद्य की साठ-गांठ के साथ नगीन को पिटोल संस्था में ट्रांसफर कर दिया गया। जांच करने वाले अधिकारी उर्फ मैनेजर भारत हाड़ा पर अपना राजनीतिक प्रभाव दिखाने के साथ लोकायुक्त की कार्रवाई भारत हाड़ा के यहां करवा दी गई, कहां जा रहा है।

पिटोल संस्था की खेड़ी दुकान पर भी खाद्यान्न की भ्रष्ट रूपी नाग ने कालाबाजारी की

कहते हैं ''चोर चोरी से जाए पर हेरा-फेरी से नहीं'' नगीन पर लक्ष्मण नायक का ऐसा आशीर्वाद था कि, नगीन कहीं पर भी जाए जिस तरह से उसका भाई लक्ष्मण नायक गेर महिलाओं को वासना की भूख के साथ बुरी नजरों से टक-टकी लगाकर देखता है, उसी तरह नगीन नाग बनकर सह. संस्था में गबन करने में कोई चूक नहीं करता है। नतीजन पिटोल संस्था की खेड़ी सह. संस्था की दुकान का चार्ज संभालते हुए यहां भी 3 सौ क्विंटल खाद्यान्न का गबन किया गया।

मामले की शिकायत पर पिटोल सह. संस्था में प्रभारी मैनेजर किशोर भट्ट ने निरीक्षण किया तो 2 सौ क्विंटल कुछ समय पूर्व का तो वर्तमान में 100 क्विंटल कुल 3 सौ क्विंटल खाद्यान्न की हेरा-फेरी नगीन के द्वारा की गई का खुलासा हुआ।

भाई को बचाने के लिए अधिकारियों को अपनी पैर की जूती समझ बुलाता है भाजपा कार्यालय में, जो नहीं जाता उस पर दिखाता लक्ष्मण नायक अपनी औकात, ऑडियो हुआ वायरल

उक्त खेड़ी दुकान में हुई 3 सौ कुंटल खाद्यान्न की हेरा-फेरी मामले में भी अपने भ्रष्टाचारी भाई नाग रूपी नगीन को बचाने के लिए किस निचले स्तर पर जाकर अपने भाजपा जिलाध्यक्ष के प्रभाव के साथ बचाने का प्रयास कर रहा है, ऑडियो में खुलकर उजागर हो रहा है। मामले में जानकारी मिली कि, करीब 1 माह पूर्व पिटोल संस्था की खेड़ी दुकान में पिटोल संस्था के प्रभारी मैनेजर किशोर भट्ट ने शिकायत के बाद निरीक्षण के दौरान 3 सौ क्विंटल खाद्यान्न की हेराफेरी का मामला सामने आया। परंतु भाजपाई राजनीतिक का आतंक कहे या प्रभाव जो भी हो पर उक्त मामला विभागीय स्तर पर ही समेटकर सेल्समैन नगीन को दुकान से हटाकर संस्था में कर दिया। उक्त मामले को भी रफा-दफा करने की नियत के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण नायक ने मैनेजर किशोर भट्ट को भाजपा कार्यालय में बुलाकर अपना प्रभाव बताने का प्रयास किया। लेकिन मैनेजर ने मना करने पर फ़ोन पर एक अधिकारी को अपने बाप की जूती समझकर ऐसा लताड रहा है, मानो वह जिले का नहीं प्रदेश का भी बादशाह हो गया है और उपायुक्त श्री वैद्य व सीसीबी जिला प्रबंधक श्री वसुनिया का भी अपमानजनक शब्दों में नाम लेकर भाजपा कार्यालय में लक्ष्मण के कहने पर आ जाते हैं। फोन पर कहता रहा, जिस पर मैनेजर ने अपना कहीं भी ट्रांसफर करवा देने की बात कह कर लक्ष्मण नायक को भी उसकी औकात दिखा दी।

मैनेजर किशोर भट्ट व भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक की उक्त फोन वार्ता का ऑडियो लक्ष्मण नायक से परेशान होकर करीब एक माह बाद किशोर भट्ट ने वाइरल किया जो सोशल मीडिया पर बहुत चल रहा है। वही उक्त आडियो वायरल होने के बाद जिले की राजनिती में गरमाहट आ गई और सोशल मिडीया पर हिन्दु परिषद के युवाओ ने भी चरित्रहीन लक्ष्मण नायक का विरोध किया। तो एनएसयुआई ने गरीबो को मिलने वाले खाद्यन्न की कालाबाजारी करने वाले नगीन के साथ जिले मे समस्त संस्थाओ की दुकान पर जांच कर पुख्ता कार्रवाई की मांग की है। वही मेनेजर किशोर भट्ट भाजपा कार्यलय में लक्ष्मण नायक के बुलावे पर नही जाने पर पिटोल संस्था के प्रभार से हटा दिया गया है। बता दे की वर्तमान में श्री भट्ट झाबुआ से पाच संस्थाओ के सुपरवाइजर के साथ देवझिरी व पिटोल सह. संस्था के प्रभारी मेनेजर थे।

लक्ष्मण नायक की गैर महिलाओं के प्रति बदनीयती व शोषण की शिकायत के बाद अब अपने भ्रष्टाचारी भाई को संरक्षण देकर किस तरह से अपने प्रभाव का दुरुपयोग लक्ष्मण नायक कर रहा हैं, यह एक बार फिर उजागर हो गया है। वहीं भाजपा सरकार बहन-बेटी-भांजी को बदनियत से देखने वाले व भ्रष्टाचारियों को किसी भी हालत में नहीं बख्शा जाएगा कह रही है। उसके उलट यह दोनों खूबी लक्ष्मण नायक द्वारा सार्वजनिक रूप से की जा रही है।

भाजपा सरकार में ही सन् 2009 से ही मेघनगर थाने में गुडा लिस्ट क्र 6 पर है लक्ष्मण नायक का नाम।

अब चर्चा है कि, अब भी आखिर कब तक भ्रष्ट व पार्टी को कलंकित करने वाला भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक तीन-तीन माह का भोपाली रिचार्ज करवा कर अपने पद को बचाता रहेगा....?

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक के भाई नगीन के द्वारा गबन करने व गरिबो के खाद्यन्न में हेरा-फेरी के खुलासे के बाद भ्रष्टाचार करने वालो के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने हेतु दिया कलेक्टर के नाम ज्ञापन।

पेटलावद-थांदला क्षेत्र की महिला अपने दो छोटे बच्चो व पति के साथ भोपाल पहुचकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा एंव नेताओ के समक्ष पेश होकर लक्ष्मण नायक द्वारा किये गए शोषण मे कार्रवाई हेतु की अपील।

पिटोल चौकी क्षेत्र की उक्त महिला जिसको प्रलोभन देकर 2 वर्षो तक लक्ष्मण नायक करता रहा शोषण, जिला पुलिस द्वारा कार्रवाई नही करने पर न्याय की आश में सीएम से मिलने पहुची भोपाल जो मिडीया से हुई रूबरू।

हिन्दु परिषद् ने भी चरित्रहीन भाजपा जिलाध्यक्ष के विरूद्ध खाद्यन्न कालाबाजारी व अधिकारी पर दबाव बनाने वाला आडियो वायरल होने के बाद सोशल मिडीया पर विरोध किया।

अवैध रूप से रह रहे असामाजिक एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जिला प्रशासन करे जांच, गौधरा कांड की ना हो पुनरावृत्ति

कलेक्टर के नाम दिया धर्म रक्षा दल ने ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ

शहर की जनसंख्या जिस तरह तेज रफ्तार से बढ़ रही है, ऐसे में जिला प्रशासन को चाहिए कि, वह शहर में मकानों में किराए से रहने वाले लोगों और किराए से दुकाने चलाने वाले लोगों की सूची का अवलोकन एवं सर्वे कर पता लगाए कि, शहर में कोई असामाजिक या संदिग्ध तत्व तो निवास नहीं कर रहा है। मकान मालिक और दुकान मालिक भी ऐसे किराएदारों के नाम-पते मय दस्तावेज को पुलिस थाने पर वेरीफिकेशन करवाए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी आपराधिक घटना से बचा जा सके।

उक्त मांग करते हुए इस संबंध में धर्म रक्षा दल की जिला इकाई द्वारा 26 अप्रैल को जनसुनवाई में कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर जुवानसिंह बघेल को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत करवाया कि, शहर में वर्तमान में कई ऐसी बस्तीयां है, जहां आशंका व्यक्त की जा सकती है कि कोई संदिग्ध या असामाजिक तत्व निवास करते है। पूर्व में जिस तरह से गौधरा कांड का आरोपी शहर में कई वर्षों तक निवास करता रहा। उस आरोपी ने शहर के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से साठ-गांठ कर गलत तरीके से स्थानीय स्तर पर निवास करने का राशन कार्ड, मतदाता परिचय-पत्र आदि भी बनवा लिए थे। उसे आवास तक मुहैया करवाया गया, लेकिन जब गुजरात की पुलिस ने दबिश दी तो वास्तविक स्थिति चौंकाने वाली सामने आई।

सूची बनाकर किया जाए सर्वे

ज्ञापन में आगे कहा गया कि, इस तरह के लोग शहर से लगे दूरस्थ क्षेत्रों में अतिक्रमण अवैध रूप से मकान बनाकर और छोटा-मोटा व्यवसाय संचालित करने के बहाने अनैतिक गतिविधियों में लिप्त हो जाते है। अतः ज्ञापन में मांग की गई कि, जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन भी मिलकर शहर में ऐसे लोगों की सूची बनाकर एवं सर्वे कर पता लगाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की बड़ी आपराधिक घटना से बचा जा सके। ज्ञापन सौंपते समय धर्म रक्षा दल के मप्र संगठन मंत्री विरेन्द्रसिंह चौहान (बीरू), सौरभ सिंह कंजेटा, लक्की चौहान, धर्मेन्द्रसिंह सोलंकी, गोकुल, दीपक बाछला, आकाश, विलास, जितेन्द्र आदि सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बख्तपुरा प्रधान पर हुआ मामला दर्ज

माही की गूंज, पेटलावद

पिछले दिनों सोशल मीडिया में वायरल हुआ बख्तपुरा ग्राम प्रधान का वीडियो जिसमे ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत भवन में आवास हितग्राही से एक-एक हजार रुपये वसूल कर रहा था। मामले में प्रशासन ने सख्त कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत बख्तपुरा के ग्राम प्रधान रमेश भूरिया के विरुद्ध भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 07 के अंतर्गत राजपुरिया थाने में मामला दर्ज किया गया है।

ऑफरिकार्ड भ्रष्टाचार पर कब होगी एफआईआर...?

पेटलावद विकास खण्ड की कई पंचायतो में ऑफरिकॉर्ड हुए भ्रष्टाचार की पोल गूंज द्वारा मय प्रमाण खोली गई, लेकिन आज तक जिला प्रशासन द्वारा इन भ्रष्टाचार करने वालो पर शिकंजा नही कस पाये जिसका मुख्य कारण एफआईआर का नही होना और मामलों को साठ-गांठ कर दबाया जाना है।

सेनजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया गया, निकाली गई शोभायात्रा

माही की गूंज, झाबुआ

सेन समाज झाबुआ प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 27 अप्रैल को सेनजी महाराज का 722वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शहर में शोभायात्रा निकाले जाने के साथ ही पैलेस गार्डन पर महाआरती एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन रखा गया। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों का भी सम्मान करते हुए, सामाजिक कार्यों में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सेनजी महाराज के 722वें जन्मोत्सव के उपलक्ष में बुधवार को सुबह 10 बजे पैलेस गार्डन से शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें आगे बैंड-बाजों पर धार्मिक गीतों की प्रस्तुति दी जा रही थी। इसके पीछे समाज का पुरुष वर्ग साफा पहनाकर एक जैसे ड्रेस-कोड में सम्मिलित हुआ। महिलाएं भी एक जैसे परिधानों में नजर आई। ताशों से पूरा शहर गुंजायमान हुआ। सबसे पीछे विशेष बग्गी पर सेनजी महाराज की तस्वीर विराजमान की गई। प्रमुख चौराहो और मार्गों पर महिलाओं एवं युवाओं ने नृत्य तथा गरबा रास किया।

इनका किया गया अभिनंदन

दोपहर साढ़े 12 बजे समाजजनों ने मिलकर आराध्य देव सेनजी महाराज की महाआरती की। तत्पश्चात् समाज के वरिष्ठजनों में पन्नालाल परमार, जानकीलाल केलवा, अमृतलाल परिहार, कांतिलाल परिहार, अशोक देवड़ा, विजय परिहार एवं घनश्याम भाटी का पुष्पमाला पहनाकर एवं शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। समापन पर सभी के लिए महाप्रसादी (भंडारे) का आयोजन हुआ।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ग्राम टीमरिया में संजीवनी हेल्थ कैंप का हुआ आयोजन

कलेक्टर व एसडीएम कैंप में पहुंचे

माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले की सभी ग्राम पंचायतों में संजीवनी हेल्थ कैंप के अंतर्गत ग्राम के लोगों की सभी बीमारियों की जांच की जा रही है। लोगों में काफी उत्साह देखा गया आसपास ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने कैंप पर पहुंचकर लाभ लिया। संजीवनी कैंप में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसडीएम शिशिर गेमावत संजीवनी कैंप पर पहुंचकर ग्रामीणों से रूबरू हुए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारियों से बातचीत की। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सचिव को निर्देश दिए। आपने आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने, प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री कृषक सम्मान निधि योजना की आवेदन सहित विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदक पात्रता धारियों से अपील की। कर्मचारी को निर्देश दिए। ग्राम टीमरिया में सीएमओ डॉक्टर एमएल चोपड़ा के मार्गदर्शन में संजीवनी हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अखिलेश सरोडे एवं डॉक्टरों द्वारा लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परिक्षण किया गया। साथ ही गोली, दवाई भी दी गई। गर्भवती माताएं, कुपोषित बच्चों, आंखों की जांच कर चश्मे भी वितरित किए गए। संजीवनी कैंप में बीईई विवेक मरकाम, सुपरवाइजर भरत निनामा, समस्त सीएचओ, सारंगी सेक्टर की एएनएम, पंचायत सचिव, कृषि विभाग, आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, चौकीदार ने अपनी सेवाएं दी।

टीबी की समय पर जांच एवं उपचार से इस घातक बिमारी से बचा जा सकता है: डीटीओ डॉ. जितेन्द्र बामनिया

टीबी रोकथाम के लिए चाईल्ड फंड द्वारा जिला स्तरीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ

चाईल्ड फंड द्वारा अपने प्रोजेक्ट के तहत टीबी से बचाव एवं उपाय संबंधी विषयों को लेकर 26 अप्रैल, मंगलवार को स्थानीय लक्ष्मीनगर स्थित अंबा पैलेस पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम एलएन गर्ग, जिला मुख्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयपालसिंह ठाकुर, जिला क्षय एवं नियंत्रण अधिकारी डॉ. जितेन्द्र बामनिया तथा जिला मलेरिया अधिकारी महेन्द्रसिंह सिसौदिया उपस्थित थे।

अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। तत्पश्चात् टीबी पर चाईल्ड फंड द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रेजेंटेशन हेल्थ ऑफिसर महेश पाटीदार ने प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने बताया कि त्रैमासिक प्रोजेक्ट के तहत संस्था द्वारा टीबी पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें चार बिंदुओं न्यूटीशियन, नियमित उपचार, फलोअप आदि पर जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एसडीएम झाबुआ श्री गर्ग ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए युवा वालेंटियरों के माध्यम से धरातल स्थल पर टीबी को लेकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया। सीएचएचओ डॉ. जयपालसिंह ने कहा कि यदि समय पर मरीज टीबी की जांच करवाने के साथ उपचार और पोषण आहार आदि ले, तो इससे बचा भी जा सकता है। डीटीओ डॉ. जितेन्द्र बामनिया ने टीबी के लक्षण, रोकथाम एवं उपायों संबंधी जानकारी दी। जिला टीबी फोरम सचिव रामप्रसाद वर्मा ने संस्था द्वारा जिलेभर में टीबी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। साथ ही वर्तमान में जिले में तेजी से बढ़ रहे टीबी मरीजो की संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग एवं क्षय विभाग से इसके कारणों का पता लगाने हेतु बात रखी।

टीबी चैंपियनों का किया गया अभिनंदन

समारोह के दौरान ही टीबी बिमारी से ग्रसित होने के बाद समय पर उपचार एवं पोषण आहार ग्रहण करने से स्वस्थ हुए। ग्रामीण अंचलों से आए मरीजों ने अपने अनुभव भी साझा किए। साथ ही उन्हे टीबी चैंपियन से सम्बन्धित करते हुए उनका पुष्पमाला एवं शाल-श्रीफल से अभिनंदन भी किया गया। सभी को संस्था की ओर से किट भी प्रदान की गई। कार्यशाला का सफल संचालन चाईल्ड फंड के जिला समन्वयक जयदीप ने किया। इस अवसर पर जिला क्षय नियंत्रण विभाग के स्टॉफके साथ चाईल्ड फंड संस्था से जुड़े पदाधिकारी, वालेंटियर्स और टीबी मरीज भी उपस्थित रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ 24 कुंडीय महायज्ञ की हुई शुरुआत

माही की गूंज, पेटलावद

गायत्री शक्तिपीठ के तत्वावधान मे आयोजित चार दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सुबह साढ़े 7 बजे से शुरू हुई यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए यज्ञ शाला पहुँची। करीब एक किलोमीटर लंबी इस यात्रा में नारीशक्ति के साथ पुरुष वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। यात्रा के आगे-आगे अश्व पर सवार दो युवा पताका लहराते हुए चल रहे थे। बग्गी में पूज्य गुरुदेव पंडित श्री राम आचार्य व वंदनीय माताजी की तस्वीर के रूप में सूक्ष्म रूप से विराजमान थे। सिर पर कलश रखकर नारी शक्ति की टोली ने नगर की प्रदक्षिणा की। कलश पूजन के साथ चार दिवसीय यज्ञ प्रारंभ हो गया।

गायत्री शक्ति पीठ पेटलावद के तत्वाधान में शासकीय बालक स्कूल के प्रांगण में चार दिवसीय गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया है। यज्ञ को लेकर बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ आयोजन का शुभारंभ हुआ। जुलूस में पीले वस्त्र धारी सैकड़ो महिलाएं व बालिकाए सिर पर कलश रखकर भाग ले रही थी।

प्रमुख चौराहो पर हुआ मंच से स्वागत

यात्रा का प्रमुख चौराहो पर नगर परिषद अध्यक्ष मनोहर भटेवरा के नेतृत्व में पार्षदो ने, महेंद्र, जीवन, अशोक भट्ट, पंकज, अजय सोनी, गोपाल चौधरी, ओम, यश सोनी परिवार ने स्वागत-सत्कार फूलों व शीतल पेय से किया।

इस मार्ग से गुजरी कलश यात्रा

गायत्री शक्ति पीठ से शुरू होकर कलश यात्रा गांधी चौक, पीपाड़ा गली, झंडा बाजार, गणेश चौक, सीरवी मोहल्ला, जय किसान मार्ग, श्रद्धांजलि चौक, नया बस स्टैंड, शंकर मंदिर, पुराना बस स्टैंड, भगत सिंह मार्ग से पुनः गांधी चौक होते हुए शासकीय बालक स्कूल पर स्थित यज्ञशाला में पहुंची।

इस गांव से गायत्री परिजन हुए शामिल

पेटलावद नगर के साथ में सारंगी, बामनिया, खवासा, रायपुरिया, बनी, रामनगर, बोलासा, झकनावदा, तारखेड़ी, जामली, बरबेट, बावड़ी, हमीरगढ़, पांच पीपला, करवड़, घुवरी, मठमठ, मांडन आदि स्थानों से गायत्री परिजन इस कलश यात्रा में परंपरागत पीले वस्त्र पहनकर शामिल हुए।

नगर परिषद ने दिया स्वच्छता का अनूठा संदेश

नगर परिषद पेटलावद के सफाई कर्मचारियों ने स्वच्छता का अनूठा संदेश देते हुए पूरे यात्रा मार्ग के पीछे-पीछे चलते हुए सफाई कार्य को पूर्ण किया। कलश यात्रा का अनेक स्थानों पर फुल तो कहीं पर शीतल पेयजल से स्वागत हुआ। उस स्वागत के कारण सड़क पर फैले फूलों को साफकरने के लिए नगर परिषद के स्वच्छताकर्मी कलश यात्रा के साथ ही चल रहे थे। नगर परिषद की इस पहल को पूरे नगर में सराहा गया।

महाराणा प्रताप जयंती मनाने को लेकर राजपूत समाज झाबुआ की बैठक 30 अप्रेल को बसंत कॉलोनी स्थित राजपूत भवन पर, कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी

माही की गूंज, झाबुआ

राजपूत समाज झाबुआ द्वारा आगामी जून माह में महाराणा प्रताप जयंती परंपरागत तरीके से एवं धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसके दृष्टिगत शहर के समाज के सभीजनों की बैठक आगामी 30 अप्रेल, शनिवार को स्थानीय बसंत कॉलोनी स्थित राजपूत भवन पर शाम 7 बजे से आयोजित होगी। जानकारी देते हुए समाज

के कार्यवाहक अध्यक्ष गोपालसिंह चौहान ने बताया कि बैठक में उक्त कार्यक्रम हर्षोल्लासपूर्वक मनाए जाने हेतु रूपरेखा तैयार कर इस संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष की के मनोनयन के साथ ही पूर्ण कार्यकारिणी का गठन भी किया जाना प्रस्तावित है, ताकि महाराणा प्रताप जयंती साथ हर्षोल्लासपूर्वक एवं भव्य रूप से मनाई जा सके। गोपालसिंह चौहान ने समाज के सभीजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा में मिला बामनिया को उचित स्थान

माही की गूंज, बामनिया

भाजपा युवा मोर्चा में उपेक्षित बामनिया के युवा नेताओ को स्थान नही मिलने के बाद अब घोषित भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनु विश्वकर्मा की

अनुशंसा और पेटलावद मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र काग की सहमति से मंगलवार को घोषित की गई मोर्चा

मण्डल की कार्यकरणी में बामनिया से तीन भाजपा कार्यकर्ताओ को पद दिए गए। श्रीमती कल्पना दिनेश भाटोदरा को मोर्चा का मण्डल उपाध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा संजय(सन्तु) भटेवरा को मण्डल मंत्री और अशोक कुमार लोढ़ावरा को मण्डल मंत्री का पद दिया गया। तीनो की नियुक्ति पर भाजपा नेता अजय जैन, बजभूषण सिंह परिहार, जीवनसिंह परिहार, अजजा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सोहन डामर, राजेन्द्र भटेवरा, छान गामड़ आदि ने बधाई दी है।

झाबुआ के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पर 30 अप्रेल, शनिवार को डि-लिस्टींग को लेकर महाकुंभ का होगा आयोजन, महा-रैली को लेकर जनजागृति केंद्र पर गोष्ठी हुई संपन्न

माही की गूंज झाबुआ

शहर के उत्कृष्ट ठवा विद्यालय मैदान पर आगामी 30 अप्रेल, शनिवार को डि-लिस्टींग को लेकर ऐतिहासिक महाकुंभ का आयोजन किया जाना है। जिसको लेकर संपूर्ण शहर में तैयारियां जोर-शोर से जारी है। इसी क्रम में लगातार बैठकों का क्रम भी चल रहा है। जनजाति सुरक्षा मंच के बेनर तले होने वाले इस आयोजन में सकल हिन्दू समाज की सहभागिता रहेगी।

उक्त आयोजन संबंधी स्थानीय केशव नगर स्थित जन-जागृति केंद्र पर 27 अप्रेल, बुधवार को दोपहर 11 बजे से एक संयुक्त गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सकल हिन्दू समाज से वरिष्ठजनों में शैलेष दुबे, डॉ. वैभव मुराना, वनवासी कल्याण परिषद् के जिला संगठन मंत्री गणपत मुनिया, दीपेश बघेल, सकलेचा, हेमेन्द्र नाना राठौर,

जुवानसिंह गुंडिया, गणेश पानेरी, भूपेश सिंगोड़, कुलदीपसिंह चौहान, शक्तिसिंह देवड़ा, अर्पित कटकानी, अनिल पोरवाल 'भुरू भाई' आदि ने उपस्थित रहकर आयोजन को लेकर अपने-अपने विचार रखे एवं आवश्यक रूपरेखा बनाई गई।

यह रहेगा उद्देश्य

जनजाति सुरक्षा मंच के माध्यम से होने वाले इस महाकुंभ का उद्देश्य है कि समाज के वे लोग, जो धर्मांतरित होकर भी वर्तमान में आरक्षण का लाभ ले रहे है। उन्हें आरक्षण मुक्त किया जाने, अपने धर्म-संस्कृति की रक्षा करने, धर्मांतरित जनजातियों का आरक्षण समाप्त कर उन्हें अनुसूची से हटाने अर्थात डि-लिस्टींग किए जाने की मांग रहेगी।

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से निकलेगी महारैली

इसको लेकर 30 अप्रेल, शनिवार को शहर में उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पर जनजाति समाज एवं सकल हिन्दू समाज के लोगों का जमावाड़ा होगा। दोपहर 1 बजे यहां से महारैली निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए राजवाड़ा, कालिका माता मंदिर, नेहरू मार्ग, डीआरपी लाईन तिराहा होते हुए राजगढ़ नाका गरबा ग्राउंड पर समापन होगा। यह गोष्ठी करीब एक घंटे तक चली। अंत में आभार वन कल्याण परिषद् के जिला संगठन मंत्री गणपत मुनिया ने माना।

डी-लिस्टींग को लेकर एक पक्ष ही कर रहा प्रचार-प्रसार, यह जांच का विषय...?

माही की गूंज, झाबुआ।

डी-लिस्टींग को लेकर आगामी 30 अप्रेल को जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम होना हैं। जिसको लेकर ऐसा प्रतीत होता है कि, प्रचार-प्रसार का जिम्मा केवल एक पक्ष को ही दिया गया है। यह पक्ष ही इसका प्रचार-प्रसार कर रहा है। मीडिया को इसकी जानकारी से अनभिज्ञ रखा जा रहा है, जो जांच का एवं विचारणीय प्रश्न है।

ज्ञातव्य रहे कि, डी-लिस्टींग को लेकर आगामी दिनों में महाकुंभ होना है, जो सभी के सहयोग से ही संभव है। लेकिन वर्तमान में धरातल स्थल पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि, इसको लेकर केवल एक पक्ष ही प्रचार-प्रसार का बीड़ा उठाए हुए है। आगामी नगरपालिका चुनाव नजदीक होने से चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करने एवं स्वयं प्रत्याशी बनने की लालच के चलते थोथी पब्लिसिटी पाने के चलते डि-लिस्टींग के नाम पर केवल अपना उल्लू सीधा करने में लगा हुआ है। इसके नाम पर स्वयं की राजनैतिक रोटियां सेंकने के भरसक प्रयास किए जा रहे है। लेकिन इसमें आम जनता एवं केवल एक पक्षीय प्रचार-प्रसार करते हुए मीडिया को प्रचार-प्रसार से कन्नी काटना समझ से परे नजर आता है।

यहां यह भी प्रश्न है कि, क्या प्रचार-प्रसार का जिम्मा केवल एक ही व्यक्ति ने लेते हुए अपनों को बाले-बाले फायदा पहुंचाने की दृष्टि से लिया है। इस पर विचार एवं मंथन किए जाने की जरूरत है। यह पूरे शहर का कार्यक्रम होकर नियमानुसार चाहिए कि, सभी को समान दृष्टि से देखते हुए सभी का सहयोग एवं आपसी सामन्जस्य बनाकर कार्य किया जाएं ताकि शहरहित एवं जिले के हित में यह कार्यक्रम अपने नाम अनुसार भव्य एवं सफल होने के साथ ही जनहित में भी सार्थक साबित हो।

करोड़ों की नल-जल योजना बनकर रह गई मजाक, नल लगे लेकिन पानी नहीं

आखिर नल कनेक्शन पर मीटर का क्या मतलब...?

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

प्रधानमंत्री नल-जल मिशन योजना के अंतर्गत घर-घर नल के कनेक्शन देने की योजना धरातल से गायब होकर मूल उद्देश्यों से भटक गई। प्रधानमंत्री की नल-जल योजना अब नल-नल योजना बन कर रह गई है, क्योंकि घर-घर नल तो लगे है लेकिन उन नलों से पानी नही मिल पा रहा है। करोडों रुपये की लागत से नगर में नल-जल योजना के माध्यम से आरो वाटर फिल्टर प्लांट लगा कर हर घर नल कलेक्शन दिए गए। इन कनेक्शनों पर मीटर भी लगाए गए लेकिन ये मीटर वाले नल कनेक्शन केवल दिखावे के लिए है। कहने को तो ठेकेदार ने नगर की हर गली मोहल्ले की सड़क खोद कर आरो वाटर की पाइप लाईन बिछा दी लेकिन दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद जिन वार्डो में लाइन बिछाई गई है उन सभी वार्डो में नवीन नल-जल योजना से सप्लाई शुरू तक नही हो सकी, भीषण गर्मी के दौर में नगर की जनतां पानी के लिए भारी परेशानी से जूझ रही है।

मीटर लगाने का आखिर उद्देश्य क्या...?

नगर परिषद के माध्यम से नल-जल योजना के ठेकेदार द्वारा घर-घर मीटर वाले नल कनेक्शन लगा दिए। लोगो को उम्मीद थी कि, बिजली की तरह पानी भी 24 घन्टे उपलब्ध होगा और जितना उपयोग होगा उतना बिल आएगा। लेकिन कनेक्शन पर लगे मीटर का कोई मतलब नही रहा, क्योंकि यहां नल कनेक्शन धारकों को 24 घन्टे में एक बार तो ठीक 48 से 72 घन्टे में एक बार नल प्रदाय किया जाता है वो भी आधे घन्टे के लिए जिसका कोई समय तक निर्धारित नही है। कई वार्डो को अभी तक आरो वाटर की सुविधा तक नही मिल सकी।

रूपगढ़ में जर्जर टंकी पर दिन भर लगी रहती है भीड़, नल-जल योजना हुई ठप्प।

ग्रामीण इलाकों में स्थिती और भी दयनीय

नगर की निचली बस्ती और आसपास के ग्रामीण इलाको के रहवासियों को पेयजल के लिए जूझना ना पड़े, इसलिए सरकार ने करोड़ो रूपये खर्च कर नल-जल योजना के तहत घर-घर नल लगाए है। लेकिन इस योजना का धरातल पर ग्रामीणों को लाभ नही मिल पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो में टंकीया बनी लेकिन उनमे भरने के लिए पानी की व्यवस्था नही है। ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजना का लाभ नही मिल रहा है। पेटलावद नगर के माही कॉलोनी से लगे बरड़िया गांव में पानी के लिए ग्रामीण तरस रहे है। दिनभर पानी के लिए लोगो को जद्दोजहद करना पड़ रही है, हाथो में केने उठाकर पानी की पूर्ति कर रहे है। छोटे-छोटे बच्चे भी इस गर्मी में पानी के लिए अपने परिवार की मदद करते नजर आ रहे है। पानी की खासी परेशानी होने के बावजूद जिम्मेदार कोई हल नही निकाल रहे है। जिससे मजबूर ग्रामीण अपने स्तर से जुगाड़ करने के साथ ही जिम्मेदारो को कोस रहे है। बरडिया में पानी की खासी समस्या उत्पन्न हो रही है। सुबह से ही पानी के लिए ग्रामीणजन परेशान होते है। ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव को भी समस्या से अवगत करवाया परन्तु कोई सुनवाई नही हुई। पंचायत ग्रामीणों की परेशानियों को नजरअंदाज करते हुए अपने काम मे मस्त है। इस तरह से पानी की बून्द-बून्द के लिए यहां के बाशिंदे तरस रहे किंतु उनकी सुध लेने वाला कोई नही है। चाहे सुबह हो या शाम इनके बीच सबसे गम्भीर समस्या पानी की रहती है। ऐसे में जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारी तक इस मामले में चिंतित नही है। बताया जाता है कि, नल-जल योजना के अंतर्गत बनी पानी की टंकी भी लीकेज होने लगी है, जिससे ग्रामीणजन को पानी नहीं मिल पाता है। पेयजल के अलावा अन्य कार्यो के लिये पानी की भारी किल्लत क्षेत्र में देखी जा सकती है।

टंकी है लेकिन पानी नहीं

इस प्रकार से नल कनेक्शन पर लगे मीटर जो शो पीस बने हुए है।

खोरिया पंचायत के अंतर्गत आने वाले बरडिया फलिये की आबादी लगभग 300 से 400 है। गांव में नल-जल योजना अंतर्गत नल लगे है लेकिन उनमे भी पानी नही आता है। ग्रामीणों के अनुसार टंकी में पानी भरने के लिए लाइट की व्यवस्था नही है। गांव में बाबू सिंगाड ने बताया कि, कुए के पास नल-जल योजना के लिए लगाए गए सयंत्र ओर बॉक्स भी किसी अज्ञात व्यक्ति ने तोड़कर फेंक दिए, जिससे नलजल योजना को भी पलीता लग रहा है। ऐसा नही है कि, गर्मी के दिनों में ही यहां के ग्रामीणों को पानी की समस्या होती है, पूरे वर्ष पानी की समस्या से ग्रामीण खासे परेशान रहते है। ग्रामीणजन पानी के लिए माही कॉलोनी में स्थित अधिकारियों के भवनों में लगे होल से पानी भरते है। जनप्रतिनिधि, अधिकारी इस भयावह स्थिति से रूबरू होने के बावजूद अंजान बने बैठे है, जो समझ से परे है। पंचायत और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते ग्रामीणों को 2 किमी दूर से पानी लाना पड़ रहा है जिस और किसी का ध्यान नही है। इन दिनों गर्मी का पारा 40 से अधिक है और ऐसे में पेयजल की समस्या भी बढ़ने लगी है। विकासखंड के अधिकांश गांवो में पेयजल की गम्भीर समस्या है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी ग्रामीण अपने-अपने स्तर से पानी की जुगत में लगे है।

रूपगढ़ में भी पानी को तरसे ग्रामीण, वाटर लेवल गिरा

नगर के समीप ग्राम रूपगढ़ में भी पेयजल की स्थिति दयनीय हो चुकी है यहा नल- जल योजना के लिए लगे ट्यूबवेल में जल स्तर गिर गया जिससे पानी के सप्लाई न के बराबर हो गई है। जिस कारण लोगो को आसपास में लगे निजी ट्यूबवेल से पानी लेना पड़ रहा है, ग्राम पंचायत के माध्यम से बनी एक मात्र जर्जर पानी की टंकी से फिलहाल पानी गाव मे दिया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुच कर पानी के लिए नंबर लगाते देखे जा सकते है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र काग ने बताया कि, जल स्तर गिरने से पानी नही मिल पा रहा है जिसके लिए पीएचई के माध्यम से मांग कर पानी की व्यवस्था करने की कोशिश की जा रही है, ताकि लोगो को इस गर्मी में पानी के लिए जूझना न पड़े।

दूर दराज में स्थिती भयवाह

विकास खण्ड की कई पंचायतो की हालत इस गर्मी में खराब हो चुकी है। सरकार ने जल स्तर बढाने के लिए चेक डेम, स्टाप डेम, निस्तार तालाब सहित कई योजनाओं में जल स्तर बढ़ाने के दावे किए जो पूरी तरह से खोखले साबित हो रहे है। बड़ी पंचायतो में वैकल्पिक व्यवस्था में पानी के टैंकर उपलब्ध है, लेकिन दूर दराज इलाको के ग्रामीणों के सामने वर्तमान में पीने का पानी सबसे बड़ी चुनोती बनी हुई है।

खोरिया पंचायत के बरडिया में ग्रामीण दूर से पानी लाने को मजबूर।

मॉब लिंचिंग का मामला दबा रही पुलिस...?

चौकीदार जघन्य हत्याकांड के फरार 3 आरोपी पुलिस गिरफ्त में

माही की गूंज, पेटलावद।

12 अप्रैल को सारंगी चौकी क्षेत्र में चौकीदार रामचंद्र के जघन्य हत्याकांड में पुलिस के अनुसार 6 आरोपी में से हत्या के दिन से फरार 3 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। छायन पूर्व में होली के दिन हुई एक मौत के मामले में मृतक रामचंद्र पर हत्या की आशंका थी जिसके चलते रामचंद्र की हत्या की गई। घटना के दिन रामचंद्र बड़नगर से सारंगी होकर अपने घर आ रहा था, जिसे रास्ते में पप्पू मेड़ा के घर के पास उसके परिवार वालों ने रोक दिया और रामचंद्र के दोनों हाथ व कमर को रस्सी से बांध दिया। उसके बाद रामा, सुरेश, शारदा, राधेश्याम, बालुबाई व एक बाल अपराधी सभी ने एक मत होकर जान से मारने की नियत से रामचंद्र को लकड़ियों से पिटा। जिसके कारण रामचंद्र के शरीर पर व सीर पर आई गंभीर चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई। जिस पर थाना पेटलावद में अपराध क्रं. 275/2022 धारा 341, 147, 148, 149, 302 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में पुलिस टीम द्वारा आरोपी सुरेश, शारदा एवं एक बाल अपराधी को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका था। घटना के बाद से ही आरोपी रामा, राधेश्याम एवं बालुबाई फरार चल रहे थे। जिन्हें दिनांक 26 अप्रैल को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया जहा से तीनों को जेल भेज दिया गया।

हत्यारे मान रहे थे परिवार के सदस्य की मौत का कारण

ग्राम छायन पूर्व में 18 मार्च .2022 को पप्पू मेड़ा की मौत माही नदी में डूबने से हो गई थी। मृतक पप्पू मेड़ा के शव का पोस्टमार्टम कराया गया था। पीएम में डॉक्टर के द्वारा मृतक पप्पू की मृत्यु पानी में डूबने से होना लेख किया गया था। परंतु फिर भी पप्पू मेड़ा का परिवार उसकी मौत का कारण रामचंद्र पिता मांगू ताड, उम्र 40 वर्ष निवासी छायनपूर्व को मानते थे। जिसके कारण रामचंद्र बड़नगर मजदूरी करने चला गया। लेकिन मृतक का परिवार लगातार रामचंद्र पर हत्या का आरोप लगा कर उसकी गिरफ्तारी की मांग कर रहा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पप्पू मैडा की मौत से पहले रामचंद्र को साथ मे देखा गया था जिसके चलते रामचंद्र पर परिवार वालो को शक था और यही शक एक और अपराध और हत्या का कारण बना।

मॉब लिंचिंग का मामला दबा रही पुलिस...?

हत्या की आशंका को लेकर हुए इस घटनाक्रम में मृतक मॉब लिंचिंग का शिकार होने की बात सामने आई थी, लेकिन पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने को तैयार नही है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार वारदात में केवल 6 लोग ही नही भीड़ के रूप कई लोग शामिल हो सकते है। हत्या के बाद छायन पूर्व गाव के कई लोग घर छोड़ कर चले गए थे। कही न कही पुलिस मॉब लिंचिंग के मामले को दबा रही है।

शादी में जा रहे परिवार का वाहन हुआ दुर्घटना ग्रस्त, तीन की मौत, चार घायल

गमगीन माहौल में दी विदाई

माही की गूंज, थांदला।

विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे परिवारजनो की स्कॉर्पियो देर रात गुना टोल नाके के समीप दुर्घटनाग्रस्त होने से दो महिलाएं व एक पुरुष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा चार जख्मी हो गए जिनका उपचार इन्दौर में किया जा रहा है। उक्त घटना के बाद मृतकों के शवों को पीएम कर बक्से में पैक कर उनके गृह ग्राम लाया गया। जहां रविवार को करुण क्रंदन व गमगीन माहौल में श्रीमती मकनी श्यामलाल बारिया का अंतिम संस्कार नरसिंहपुरा के मुक्तिधाम पर संपन्न हुआ। कसना खपेड़ व श्रीमती लीला हटीला जो रिश्ते में पिता और पुत्री थे का अंतिम संस्कार सजेली के मालजीसाथ मुक्तिधाम में किया गया। सजेली मालजीसाथ में पहली बार दो शव यात्रा वह भी एक ही परिवार की एक साथ निकलने पर गमगीन माहौल था। पिता व पुत्री की अंतिम विदाई देने के लिए विधायक वीरसिंह भूरिया, भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर, भाजपा जिला मंत्री सोमसिंह सोलंकी, लक्ष्मण सिंह बामनिया, राजेश वेद्य, सोहन परमार, कालू सिंह नलवाया सहित कई लोगों ने शव यात्रा में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। लीला हटीला मंदसौर जिला भारतीय जनता पार्टी जनजाति मोर्चा की जिला मंत्री के रूप में पदस्थ थी। घायल प्रेम सिंह हटीला, उनके पुत्र आदित्य हटीला तथा मृतक के प्रपौत्र अंकुश खपेड़ तथा शैलेश चौहान का इंदौर के बाम्बे अस्पताल में उपचार जारी है।

सूखे जल स्त्रोत, मुक प्राणियों के लिए खड़ी हुई जल समस्या

माही की गूंज, बामनिया।

भीषण गर्मी और किसानो द्वारा तालाब से सिंचाई के लिए पानी लेने के चलते नगर का मुख्य तालाब पूरी तरह से सुख चुका है जिससे काजलिया, चितोड़िरुंडी, मेला ग्राउंड, चौकीदार फलिये के पालतु मूक प्राणियों के पीने के पानी की समस्या खड़ी हो गई है। यहां नगर में लगे सरकारी हेण्डपम्प भी लगभग दम तोड़ चुके है। पशु पालकों को उनके पानी की व्यवस्था के लिए पानी टैंकरों के माध्यम से खरीदना पड़ता है या फिर निजी होल वालो के भरोसे रहना पड़ रहा है। जबाबदारो द्वारा समय रहते जल स्त्रोतों से पानी के उपयोग को नही रोकने के कारण मूक प्राणियों के पीने के पानी की समस्या खड़ी हो गई है।

सर्व ब्राम्हण समाज युवा संगठन द्वारा परशुरामजी के जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम होगे

माही की गूंज, झाबुआ।

सर्व ब्राह्मण समाज युवा संगठन झाबुआ द्वारा स्थानीय कॉलेज मार्ग स्थित प्राचीन जगदीश मंदिर पर महत्ववपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री परशुराम प्राकट्योत्सव (जन्मोत्सव) की आमंत्रण-पत्रिकाओं का गरिमामय रूप से विमोचन किया गया।

समाज के युवा उमेश पांडे ने बताया कि आगामी 3 मई को श्री परशुरामजी प्रकटोत्सव (जन्मोत्सव) को भव्य रूप से एवं धूमधाम से मनाए जाने हेतु 2 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। जिसमें 2 मई शाम 5 बजे वाहन रेली कॉलेज मार्ग स्थित जगदीश मंदिर से प्रारंभ होकर गोपाल कॉलोनी स्थित गोपाल मंदिर पर समापन होगी। रात्रि 8 बजे से भगवान श्री परशुरामजी पर आधारित नाटिका का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। इसी प्रकार 3 मई को परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीया पर प्रातः साढ़े 8 बजे आजाद चौक स्थित आजाद प्रतिमा पर समाजजनों द्वारा माल्यार्पण के बाद साढ़े 9 से स्थानीय जगदीश मंदिर पर रुद्राभिषेक, महाआरती एवं प्रसादी तथा सायं साढे 5 बजे से श्री परशुराम भगवान की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें भगवान को शहर भ्रमण करवाकर पुनः समापन कार्यक्रम स्थल जगदीश मंदिर पर होगा।

महाप्रसादी (भंडारे) का होगा आयोजन

श्री परशुरामजी प्रकटोत्सव (जन्मोत्सव) की महाआरती के पश्चात युवा कलाकार आशीष पांडे द्वारा भगवान श्री परशुरामजी की श्रीडी रांगोली का निर्माण के अतिरिक्त युवा अभिषेक चतुर्वेदी, उमेश पांडे एवं तन्मय नागर द्वारा प्रस्तुत समधुर भजनों के बीच महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। आयोजक सर्व ब्राम्हण समाज युवा संगठन ने दो दिवसीय आयोजन में समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर लाभ लेने की अपील की है।

हिन्दू सनातन धर्म एवं जैन संत समागम में सद्भावना मैत्री सम्मेलन सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

संत तपोभूमि थांदला नगर में परोपकार सम्राट आचार्य देवेश श्रीमद्विजय ऋषभचन्द्रसुरिश्वरजी मसा. के शिष्य रत्न मुनि पियूषचन्द्र विजयजी म.सा. एवं जिनचन्द्र विजयजी म.सा. तथा हिन्दू सनातन धर्म के पिपलखुटा तीर्थ प्रेरक दाड़की वालें बाबा के अनुयायी 1008 आचार्य दयारामदासजी महाराज, बावड़ी मन्दिर के नारायणदासजी महाराज, शांति आश्रम के सुखरामजी महाराज, चिन्मयानंदजी महाराज, प्रमानन्दजी महाराज आदि सन्तों के सानिध्य में सदभावना मैत्री सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें हिन्दू व जैन संघ के गुरुभक्त शामिल हुए। दोनों समाज के संत प्रमुख के साथ धर्मावलंबियों ने नगर के प्रमुख मार्गों से विशाल मैत्री जुलूस निकाला। जो स्थानीय गणेश मन्दिर तथा बावड़ी मन्दिर होता हुआ कार्यक्रम स्थल जैन मन्दिर पहुचकर धर्म सभा में परिवर्तित हो गया। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य दयारामदासजी महाराज ने कहा कि, घर के व्यक्तिगत आयोजन में आमंत्रित अतिथि ही आते है, जबकि मन्दिर तो सबका होता है वहा तो सभी आते है इसलिए मन्दिर में भेदभाव होना सही नही है यह आने वाली पीढ़ी के लिए भी खतरनाक है। उन्होनें कहा कि, भारत में सभी को धर्म प्रवर्तन का अधिकार दिया गया है, लेकिन किसी की भावनाओं को ठेस पहुचानें का अधिकार किसी को नही दिया है। इसलिए सभी को हिलमिल कर एक-दूसरें के धर्म का सम्मान करते हुए अपने-अपने धर्म की ध्वजा को मजबूत करना चाहिए, यही राष्ट्र को मजबूत बनाने का भी उपाय है। इस अवसर पर आर्शीवचन देते हुए। मुनि पियुषविजयजी महाराज साहेब ने कहा कि, वर्ष 2007 में परोपकार सम्राट गुरुदेव ने मन्दिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लेकर इसका विसर्जन किया थां जिसके बाद कुछ भ्रांतियों ने व दोनों समाज के आपसी समन्वय आभाव के कारण मन्दिर निर्माण में 15 वर्षों का विलम्ब हो गया। लेकिन दोनों ही पक्षों के मन्दिर निर्माण के प्रयास होते रहे। जिससे दोनों पक्षों की कटुता थी वह दूर हुई और आज उसकी नींव सद्भावना मैत्री सम्मेलन में देखने को मिल रही है। आज परोपकार सम्राट की 11वीं मासिक पुण्यतिथि पर उनका दिव्यशीष ही कहे कि, राष्ट्र संत भक्त मलुकदासजी महाराज की सर्व समाज समन्वय की धरोहर को पुनः उनके द्वारा स्थापित मन्दिर की तरह ही नवनिर्माण किया जाएगा। मन्दिर निर्माण कार्य अहमदाबाद के पुण्यशाली दानदाता भूषण भाई शाह के साथ नगर के अनेक पुण्यशाली गुरुभक्तों के अर्थ सहयोग से किया जाएगा। उन्होनें कहा कि, आगामी 4 मई अक्षय तृतीया के दिन इसका मुहूर्त किया जाएगा। वही जून माह में शिलान्यास भूमि पूजन कर मन्दिर निर्माण अविराम गति से चलेगा। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए कमलेश जैन दायजी ने सकल जैन समाज के साथ सनातन धर्म के सदस्यों का स्वागत करते हुए मन्दिर निर्माण में अपेक्षित सहयोग की भावना व्यक्त की। सनातन धर्म के संरक्षक अशोक अरोड़ा ने भी मन्दिर निर्माण में आये वैचारिक मतभेदों की बात कर आपसी समन्वय से भव्य मंदिर की परिकल्पना के लिए सभी को धन्यवाद दिया। धर्म सभा में उपस्थित सनातन धर्म प्रेमीजनों जैन श्रीसंघ, भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस पार्टी पदाधिकारियों तथा स्थानीय पत्रकारगणों ने मुनि द्वय को शाल ओढ़ाकर बहुमान कर उनका आशिर्वाद लिया। धर्म सभा प्रभावना का लाभ सानिया मयूर वर्धमान तलेरा परिवार द्वारा लिया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ के वरिष्ठ सदस्य संजय फुलफगर ने किया वही प्रफुल्ल पोरवाल ने सबके प्रति आभार माना। इस अवसर पर भाजपा अजजा प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष कलसिंह भाभर, जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक, वरिष्ठ नेता श्यामा ताहेड़, नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर, उपाध्यक्ष मनीष बघेल, गगनेश उपाध्याय, लक्ष्मण राठौड़, समर्थ उपाध्याय, विनीत शर्मा, सचिन सौलंकी, वत्सल आचार्य जैन स्थानकवासी संघ अध्यक्ष जितेंद्र घोड़ावत, सचिव प्रदीप गादिया, दिगम्बर संघ अध्यक्ष अरुण कोठारी, विजय भिमावत, तेरापंथ सभा अरविंद रुनवाल, संतोष जैन, पवन नाहर, जैन श्रीसंघ के वरिष्ठ सदस्य कमल पीचा, मूलचंद लुणावत, कनकमल भण्डारी, अनोखीलाल मोदी, यतीश छिपानी, आनंदीलाल पोरवाल, उमेश बी पीचा, रमणलाल मुथा, अर्पित लुणावत आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर जावरा, खाचरौद व विभिन्न स्थानों से आये श्रीसंघों ने गुरुदेव के समक्ष अक्षय तृतीया पारणे व आगामी चातुर्मास की पुरजोर विनन्ति की गई।

संपादकीय

सुधारों के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी

कहते हैं देर से मिला न्याय भी अन्याय जैसे ही होता है। जो कालांतर सामाजिक असंतोष व हताशा का कारक बनता है। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में सुचारु न्याय व्यवस्था के लिए जरूरी है कि, अदालतों को पर्याप्त संसाधन मिलें व जरूरी संख्या में न्यायाधीशों की नियुक्ति हो। पिछले दिनों देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने इस समस्या की तरफ राष्ट्र का ध्यान खींचा। उन्होंने कहा कि, देश में शीघ्र न्याय के लिए करोड़ों मुकदमों का बोझ कम करना जरूरी है, जिसके लिए पर्याप्त संख्या में अदालतें होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ऐसा कई बार कह चुके हैं। यहां तक कि पिछले वर्ष ट्रिब्यूनलों में रिक्त पदों का भी सवाल भी उठा था। सवाल यह है कि, केंद्र व राज्यों में रही सरकारों को यह क्यों नहीं नजर आता कि पर्याप्त संख्या में अदालतों की स्थापना के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि न्याय तक आम आदमी की शीघ्र पहुंच बन सके। यह संकट नया नहीं है, न्यायाधीशों व अदालतों की तादाद में कमी से लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में जा पहुंची है। गाहे-बगाहे कई मुख्य न्यायाधीश इस संकट की ओर सत्ताधीशों का ध्यान खींचते रहे हैं। कुछ तो तल्खी के साथ अपनी बात को सरकार के सामने रख चुके हैं। यहां तक कि सेवानिवृत्ति पर इस मुद्दे पर बोलते हुए एक मुख्य न्यायाधीश की आंखों से आंसू तक छलक पड़े थे। कमोबेश देश के सभी विधि आयोग देश में न्यायालयों के विस्तार की संस्तुति कर चुके हैं, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस पहल होती नजर नहीं आ रही है। यही वजह है कि, पिछले दिनों सरकारों का यह रवैया तेलंगाना के न्यायिक अधिकारियों के सम्मेलन में एक बार फिर उभरा है। ऐसे में सरकारों को भी मंथन करना होगा कि न्यायपालिका में नियुक्तियों में विलंब क्यों है। क्यों राज्यों में न्यायालयों की क्षमता कका विस्तार नहीं हो पा रहा है? क्यों लोगों को न्याय मिलने में तीस-चालीस वर्ष का समय लग जाता है? नि:संदेह किसी सभ्य समाज में शीघ्र न्याय का मुद्दा न केवल संवेदनशील विषय है बल्कि सामाजिक शांति के लिए भी अपरिहार्य शर्त है। दरअसल, पुराने मुकदमों के निस्तारण में देरी और नए मुकदमों का तेजी से बोझ लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इन मुकदमों के बढ़ने में राज्य प्रशासनों की चूक भी निहित होती है, जिसमें सुधार की गुंजाइश है। शासन-प्रशासन चाहे तो कई गैर-फौजदारी मामलों का निस्तारण विवेक-सम्मत ढंग से किया जा सकता है, जिससे गंभीर मामलों के निष्पादन में लगी अदालतों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि, लंबित मुकदमों से न केवल शासन-प्रशासन की बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि भी खराब होती है कि यहां की न्यायिक प्रक्रिया संवेदनशील नहीं है। वहीं चुनाव के दौरान जागरूक नागरिकों व सामाजिक संगठनों को राजनीतिक दलों के चुनावी एजेंडे में त्वरित न्याय की जवाबदेही को शामिल करना चाहिए। वहीं कुछ वैकल्पिक उपायों पर भी विचार करना चाहिए, जैसे न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने, सेवानिवृत्त जजों की सेवाएं लेने, कुछ अवकाशों में कटौती, दो पालियों में मुकदमों का निस्तारण आदि। लोक अदालतों की उपयोगिता व विस्तार पर फिर नये सिरे से विचार किया जाना जरूरी है, जिससे अदालतों पर मुकदमों के बोझ में तो किसी हद तक कमी लाई जा सके। ऐसे ही कुछ अभिनव प्रयास विचाराधीन कैदियों के बाबत भी किए जाने चाहिए, ताकि किसी निर्दोष का भविष्य बच सके। इसके साथ ही वादियों-प्रतिवादियों का समय, ऊर्जा व धन बचाने के लिये भी सुधारों की गति बढ़ाने की जरूरत है। केंद्र सरकार व राज्य सरकारों को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए और वित्तीय संसाधन जुटाने चाहिए, जिससे देश के लोगों को समय पर न्याय मिल सके। साथ ही न्यायपालिका को उन आंतरिक सुधारों पर गंभीर विमर्श करना होगा, जिनसे मुकदमों के निस्तारण में तेजी लायी जा सके। इसमें कार्य दिवस बढ़ाने और दैनिक कार्य की अवधि बढ़ाने का उपाय भी शामिल हो सकता है। तभी देश की अदालतें चार करोड़ से अधिक मुकदमों से जल्दी मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

बाधाएं दूर कर हकीकत बनेगा आशियाना

अशोक कुमार जैन

हरियाणा पिछले कुछ वर्षों से देश के मुख्य प्रांतों में प्रति व्यक्ति आय के मामले में लगातार चोटी के राज्यों में रहा है। यह उपलब्धि पाने पर किसी राज्य सरकार के हाथ में अपने लोगों की मूल समस्याओं, जैसे कि पक्के घर, को सुलझाने के लिए पर्याप्त वित्तीय स्रोत आ जाते हैं। तथापि हरियाणा में अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं, जिनके पास रहने को उचित आशियाना नहीं है। राज्य प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाके में 1 लाख 25 हजार परिवारों को घर दिए जाने की जरूरत है। इसके अलावा 3 लाख से अधिक परिवार मलिन बस्तियों में रह रहे हैं जो राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 2.5 प्रतिशत बनते हैं। चूंकि बेघरी की समस्या समूचे मुल्क में फैली है, केंद्रीय सरकार ने इस बाबत वर्ष 2022 तक 'सबके लिए घर' नामक अग्रणी कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसके तहत दो योजनाएं हैं, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण। इस प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय मदद को बढ़ा दिया।

अनेक राज्यों ने आवास देने के लिए भूखंडों की शिनाख्त, जमीन का पट्टा-आवंटन, लाभार्थियों की राजकीय स्रोतों से अतिरिक्त माली मदद, बैंकों से वित्तीय मदद दिलवाने के लिए गठजोड़ करना आदि उपाय किए हैं। यह भी तथ्य है कि आवास क्षेत्र में कोई भी निवेश न केवल बेघरों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि बड़ी तादाद में रोजगार भी पैदा करता है।

हरियाणा का काफी हिस्सा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने की वजह से सूबे का अधिकांश क्षेत्र शहरी प्रदेश में आता है और राज्य ने कालांतर में खुद को एक औद्योगिक राज्य के रूप में भी स्थापित किया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लगभग 1 लाख हजार घरों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है और इस मद के लिए 2 हजार 700 करोड़ रुपये देने मंजूर किए। हालांकि, बतौर एक राज्य हरियाणा कुछ कारणों से इस ओर अधिक विकास नहीं कर सका। इनमें पहला कारण, राज्य में आवासीय योजना के लिए मंजूरी देना बहुत जटिल प्रक्रिया है। ऐसी किसी योजना के लिए, निर्माण-पूर्व से पूर्ण होने के बीच विभिन्न स्तरों पर सत्यापन-मजूंरी हेतु 350 से ज्यादा विभागीय हस्ताक्षरों की जरूरत पड़ती है। इसलिए समयबद्ध मंजूरी के लिए, बिना मानवीय दखल वाली एकल-खिड़की व्यवस्था बनाना समय की मांग है। दूसरी वजह, सूबे में आवास योजना के लिए उपलब्ध भूमि की बहुत कमी है, इसलिए घर बनाने के लिए केंद्रीय एवं राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा अतिरिक्त उपलब्ध भूमि की शिनाख्त करवाना फौरी जरूरत है। तीसरा तथ्य, लाल-डोरा भूमि को नियमित करने के लिए नीति में बदलाव करके इस श्रेणी में आती भूमि को औपचारिक रूप से किफायती घर बनाने के लिए उपलब्ध करना। एक अन्य वजह है, सूबे में नए बने आठ शहरी निकायों में घरों की कितनी कमी है, इसको लेकर तुरंत सर्वे न होना।

शहरी आवास योजना के तहत केंद्रीय सरकार प्रति इकाई लगभग डेढ़ लाख रुपये का अनुदान देती है, जो एक ठीक-ठाक आवास बनाने के लिए नाकाफी है। ऊपर से ज्यादातर गरीब लोग अपना पक्का घर बनाने के लिए अतिरिक्त धन इकट्ठा करने लायक नहीं हैं। इसलिए राज्यों को सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंकों के साथ निकटवर्ती सहयोग बनाकर आवासीय ऋण नीति बनवानी होगी, खासकर निम्न आय वर्ग के लिए, ताकि सूक्ष्म आवासीय वित्तीय कर्ज उनकी पहुंच में हो सके। इसके अलावा आवास परियोजनाओं को लाइसेंस देने की प्रक्रिया फिलहाल बहुत जटिल है और काफी वक्त खराब होता है, सूबे में आवास निर्माण कंपनियों को आकर्षित करने के लिए इसको सरल बनाना जरूरी है।

आवासीय कालोनियां या परिसर बनाने हेतु बुनियादी तंत्र का विकास कार्य अंतहीन देरी के बाद पूरा होता है। हालांकि, परिसर के बाहरी विकास कार्य करवाने का शुल्क कालोनी निर्माता चुकाता है, फिर भी उनको समयानुसार यह सुविधाएं उपलब्ध नहीं होतीं। राज्य में अनेक आवासीय परिसर ऐसे हैं जहां बाहरी विकास कार्य शुल्क चुकाने जाने के 10 वर्ष बीत जाने के बावजूद वहां मूल सरकारी सुविधाएं नहीं पहुंचाई गयीं। इससे नकारात्मक छवि बनती है। अतएव राज्य सरकार को इस प्रयोजन के लिए यथेष्ट बजट का प्रावधान करने के लिए सोचना चाहिए, कम से कम उन आवासीय परिसरों के लिए जहां निर्माण पूरा हो जाने के बाद लोग रहने लगे हैं। बेहतर है कि भविष्य में राज्य सरकार बुनियादी ढांचे का विकास पहले खुद करने के बाद ही आवासीय परिसरों को लाइसेंस देने की नीति बनाए।

जरूरतमंदों को सुरक्षित आशियाना देने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम सूबों में उन तमाम खाली पड़े घरों की शिनाख्त करना था, जो किसी सरकारी योजना के अंतर्गत बनाए गए हों। पता चला कि हरियाणा आवास बोर्ड द्वारा बनाए गए लगभग 6 हजार घर अभी भी खाली पड़े हैं। इसके अलावा सार्वजनिक धन से बनी ऐसी बहुत सी अन्य आवासीय इकाइयां भी हैं जहां कोई नहीं रह रहा। ऐसे घरों को अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्पलेक्स में बदला जा सकता है। यदि ये खाली घर किसी औद्योगिक क्षेत्र के आसपास हों तो वहां काम कर रहे श्रमिकों के लिए उपलब्ध करवाकर, सुरक्षित और किफायती आशियाने दिए जा सकते हैं। केंद्र सरकार सूबों में अपने अंतर्गत आती जमीनों में निजी आवास निर्माण कंपनियों को किफायती किराया आवास परिसर बनाने लिए प्रोत्साहन के रूप में वित्तीय सहायता देने के अलावा फ्लोर एरिया रेशो और फ्लोर स्पेस इंडेक्स में छूट देती है। वहीं आयकर और जीएसटी माफी, योजना के लिए रियायती दर पर कर्ज, योजना स्थल तक नगर निगम द्वारा मूलभूत जरूरतें पानी-सड़क-बिजली-सीवर पहुंचाना आदि छूटें देती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत केंद्र सरकार ने सामाजिक, आर्थिक एवं जाति जनगणना-2011 के आधार पर लगभग 21 हजार घर हरियाणा के हिस्से में आवंटित किए हैं। हालांकि, राज्य सरकार ग्रामीण इलाके में और अधिक घरों की मंजूरी के लिए कह रही है, जिनकी संख्या 1 लाख 25 हजार हो सकती है। इसलिए या तो राज्य सरकार इस विषय को केंद्र सरकार से और जोरदार तरीके से उठाकर विशेष परियोजनाएं मंजूर करवाए या फिर अपने स्रोतों से धन जुटाए क्योंकि वंचित वर्ग की भलाई राज्य सरकारों की जिम्मेवारी है।

अनेकानेक वर्गों के लिए घर बनाने के काम में कई सरकारी विभाग शामिल होते हैं इसलिए हरियाणा सरकार ने एक अलग प्रतिबद्ध 'सबके लिए घर विभाग' बनाया है, जिसका मुख्य ध्यान राज्य की आवासीय जरूरतें पूरा करने पर केंद्रित रखना तय किया गया है। लेकिन यह नया विभाग हरियाणा की आवास समस्या हल करने में विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय एजेंसियों के बीच कितना समन्वय बनवा पाएगा यह वक्त बताएगा।

कश्मीर में लोकतंत्र की वापसी...?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ने जम्मू में ऐसी परियोजनाओं का शिलान्यास किया है, जिनसे जम्मू-कश्मीर की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। 20 हजार करोड़ रुपये सरकार लगाएगी और 38 हजार करोड़ रुपए का निवेश पिछले दो वर्ष में हो चुका है। प्रधानमंत्री के साथ दुबई और अबू धाबी के निवेशक भी उस समारोह में उपस्थित थे। इस निवेश से कश्मीर के लोगों की सुविधाएं बढ़ेंगी और लाखों नए रोजगार भी पैदा होंगे। जम्मू के पल्ली गांव में 500 किलोवॉट के सोलर प्लांट का शुभारंभ करके उन्होंने सारे देश को संदेश दिया है कि भारत चाहे तो अगले कुछ ही वर्षों में बिजली, ईंधन और तेल के प्रदूषण से मुक्त हो सकता है। बनीहाल से क़ाजीगुंड तक की सुरंग जैसे कई निर्माण-कार्य संपन्न होंगे, जिनके परिणामस्वरुप आवागमन और यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम हो जाएगा। केंद्र सरकार आजकल जम्मू-कश्मीर के लिए पहले की तुलना में ज्यादा योगदान कर रही है। उसके कुल खर्च का 64 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार देती है। देश के बहुत कम राज्यों को इतनी बड़ी मात्रा में केंद्र सरकार की मदद मिलती है। पंचायत राज दिवस के दिन जम्मू-कश्मीर के लिए की गई इन घोषणाओं का स्वागत है लेकिन यह बड़ा सवाल भी विचारणीय है कि देश में पंचायतों को हमने अधिकार कितने दिए हैं? पंचायतों को ताकतवर बनाने का अर्थ हैकृ सत्ता का विकेंद्रीकरण! क्या केंद्र और राज्यों की सरकारें इसके लिए सहर्ष तैयार हैं। जम्मू-कश्मीर में लोगों की शिकायत यह भी है कि अगस्त 2019 में उसका जो विशेष दर्जा खत्म किया गया था, उसे केंद्र सरकार कब तक अधर में लटकाए रखेगी? प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों ने आश्वासन दिया था कि उसे राज्य का दर्जा फिर से वापस किया जाएगा। गुपकर गठबंधन ने उस विशेष दर्जे की मांग जोरों से की है। उसने 2020 के जिला विकास परिषद के चुनावों में स्पष्ट विजय भी हासिल की थी। उसे यह शिकायत भी है कि विधानसभा में जम्मू की 6 सीटें बढ़ाकर कश्मीर को हल्का किया जा रहा है। कश्मीरी नेताओं का वर्तमान प्रतिबंधों से दम घुट रहा है, इसमें शक नहीं है लेकिन कश्मीर में पहले के मुकाबले इस समय शांति और व्यवस्था बेहतर है, यह भी सत्य है। आतंकी घटनाएं भी कभी-कभी होती रहती हैं लेकिन बड़े पैमाने पर इधर कोई आतंकी घटना की खबर नहीं है। इसका श्रेय मुस्तैद उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और उनके योग्य अफसरों को है लेकिन जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति तभी बनेगी, जब लोकतांत्रिक प्रक्रिया वहां बाक़ायदा शुरु हो जाएगी। अब जम्मू-कश्मीर बाहरी लोगों के लिए भी खुल गया है। वे वहां अन्य प्रांतों की तरह जाकर रह सकते हैं। गर्मियों में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाने से लाखों लोगों की आर्थिक राहत भी बढ़ी है। इसके अलावा पाकिस्तान में शहबाज़ शरीफ की सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह सीमा-पार आतंकवाद पर सख्ती से काबू करेगी और कश्मीर के सवाल पर भारत सरकार के साथ सार्थक संवाद भी करेगी। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीरियों को जो यह संदेश दिया है कि, आपके माता-पिता और उनके माता-पिता ने जैसी तकलीफें सही हैं, वैसी आपको अब नहीं सहनी पड़ेंगी, अपने आप में दिल को छूनेवाला है। उम्मीद है कि ऐसा माहौल कश्मीर में शीघ्र ही बन सकेगा। कश्मीर में लोक-कल्याण तो बढ़ गया है लेकिन लोकतंत्र की वापसी भी उतनी ही जरुरी है।

लाउडस्पीकर विवाद

सिद्धार्थ शंकर

महाराष्ट्र में हनुमान चालीसा और लाउडस्पीकर विवाद थमता नहीं दिख रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्षी नेताओं के बीच लगातार जुबानी जंग जारी है। मामले को अधिक तूल पकड़ता देख महाराष्ट्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, मगर भाजपा और मनसे ने इससे दूरी बनाए रखी। इस बैठक से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी दूरी बना ली। अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की गिरफ्तारी मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर बड़ा हमला बोला है। फडणवीस ने राणा दंपती की गिरफ्तारी को गलत ठहराया है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। वहीं भाजपा नेता किरीट

सोमैया पर हमले का मामला अब दिल्ली पहुंच चुका है। इस मामले में अब भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली जाकर गृह सचिव से मुलाकात की है। प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर ज्ञापन सौंपा है साथ ही किरीट सोमैया मामले को भी उठाया। महाराष्ट्र में अचानक से बदले राजनीतिक घटनाक्रम को देखें तो यह बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। उद्धव सरकार जाएगी या बचेगी, सवाल यह नहीं है। भाजपा जिस तरह से एक के बाद एक घटनाक्रम को अंजाम दे रही है, उसके सियासी मायने बेहद महत्वपूर्ण हैं। राज ठाकरे की लाउडस्पीकर हटाने की मांग, नवनीत राणा की मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा के पाठ का ऐलान, करीट सोमैया पर हमला यह सब अचानक नहीं है। महाराष्ट्र में राजनीतिक हवाएं बड़ी तेजी से बदल रही हैं। इन हवाओं की चपेट में सत्ताधारी दल शिवसेना तो है ही, साथ में महाविकास अघाड़ी को अस्थिर करने का भी पूरा रोड मैप तैयार कर लिया गया है। महाराष्ट्र में आक्रामक रवैये वाली शिवसेना को अपने अहम मुद्दों पर कमजोर पड़ती धार से उसका न सिर्फ नुकसान हो रहा है, बल्कि वह अपने धुर विरोधी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे को आगे बढ़ने का मौका भी दे रहे हैं। फिलहाल महाराष्ट्र में बनते बिगड़ते तमाम हालातों को लेकर भाजपा के नेता जिस तरीके से केंद्रीय गृह सचिव से मिले हैं, उससे अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में कई तरह के तूफान आने की आशंका बनी हुई है। शिवसेना जब से अपने नए गठबंधन के साथ सरकार में आई है, तब से उसके कड़क हिंदुत्व वाले मिजाज में न सिर्फ कमी आई है, बल्कि गठबंधन की मजबूरी से सरकार चलाने की स्थितियां स्पष्ट देखी जा रही हैं। जिस तरीके से कड़क हिंदुत्व के मुद्दे पर शिवसेना आगे आती थी, वही अब उस पर बैकफुट पर है। इसी कमी को पूरा करने के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे बढ़-चढ़कर आगे आए हैं। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना सड़कों पर हनुमान चालीसा के पाठ के बाद से हिंदुत्व की धुरी बनने की पूरी योजना बना रही है। शिवसेना की गठबंधन में होने की मजबूरी के चलते राज ठाकरे को इससे फायदा भी मिल सकता है। हालांकि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उग्र हिंदुत्व की धुरी से राज ठाकरे को चुनाव में कितना फायदा होगा, इसके बारे में अभी कहना बहुत जल्दी होगा। लेकिन उनका कहना है कि शिवसेना आरोप लगा रही है कि राज ठाकरे के माध्यम से भाजपा अपने हित साधने की कोशिश कर रही है। इस पूरे मामले में एक तरीके से महाराष्ट्र में हाशिए पर पड़ी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। जिस मुद्दे पर शिवसेना कभी राज्य में सबसे आगे हुआ करती थी, अब उसी पर एक बार फिर से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना आगे बढ़ने की तैयारी कर रही है। कभी हिंदुत्व और यूपी-बिहार के लोगों का मुद्दा बनाकर सड़कों पर उतरने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना विधानसभा में 13 विधायकों के साथ बड़ा प्रतिनिधित्व करती थी, लेकिन अब ये मुद्दे उतने प्रभावी नहीं रहे, तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना एक विधायक के साथ विधानसभा में सिमट कर रह गई। महाराष्ट्र के राजनीतिक मामलों के जानकारों का कहना है कि राज ठाकरे को इस बात का बखूबी अंदाजा हो गया कि कड़क हिंदुत्व के मामले में शिवसेना पीछे हट रही है। बस इसी मुद्दे को राज ठाकरे ने पकड़ लिया।

रूस से निर्बाध आपूर्ति भारत के हित में

लेखक
लक्ष्मी शंकर यादव

रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बीच उसने भारत को सतह से हवा में मार करने वाली दूसरी अत्याधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली एस-400 ट्रायम्फ की आपूर्ति शुरू कर दी है। गौरतलब है कि, यह आपूर्ति तय समय से पहले की गई है। इस महीने के अंत तक इस प्रणाली के सभी उपकरणों की आपूर्ति रूस द्वारा कर दी जाएगी। पूरे उपकरणों के मिलने के बाद इसकी तैनाती कर दी जाएगी। एस-400 ट्रायम्फ की दूसरी मिसाइल रक्षा प्रणाली की प्रशिक्षण स्क्वाड्रन है। इसमें केवल सिमुलेटर और प्रशिक्षण से संबंधित कुछ अन्य उपकरण ही शामिल हैं। इसमें मिसाइल या लांचर जैसे उपकरण नहीं हैं।

रूस की तरफ से इस रक्षा प्रणाली के सभी उपकरणों की आपूर्ति जारी रहेगी। अभी तक इसमें कोई बाधा नहीं आई है। हालांकि, भविष्य में इसकी आपूर्ति जारी रखने को लेकर कुछ चिंताएं जरूर हैं क्योंकि रूस पर लगे प्रतिबंधों के कारण भारत रूसी कंपनियों को भुगतान नहीं कर पा रहा है। अभी रूस से जो उपकरण मिले हैं उनमें मरम्मत किए गए लड़ाकू विमानों के इंजन और पुर्जे भी शामिल हैं। इसके साथ ही एस-400 मिसाइल प्रणाली की पहली स्क्वाड्रन के आखिरी उपकरण भी शामिल हैं। इस मिसाइल रक्षा प्रणाली के मिलने से भारत की पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

रूस ने यूक्रेन युद्ध के बावजूद हथियारों की आपूर्ति पर कोई असर न पड़ने देने का भारत से वादा किया है। मिसाइल रक्षा प्रणाली की तरह भारतीय नौसेना को तलवार श्रेणी के दो स्टील्थ फ्रिगेट तय समय पर देने का भरोसा दिलाया है। उल्लेखनीय है कि स्टील्थ फ्रिगेट राडार की पकड़ में न आने वाला युद्धपोत हैं। भारत और रूस के बीच वर्ष 2016 में चार स्टील्थ फ्रिगेट की खरीद का सौदा हुआ था। एक अरब डॉलर के इस समझौते में यह निश्चित हुआ था कि दो स्टील्थ फ्रिग्रेट रूस में बनाए जाएंगे और बाकी दो का निर्माण तकनीक हस्तांतरण के बाद गोवा शिपयार्ड में किया जाएगा। रूस में बनने वाले दोनों फ्रिगेट साल 2022 के अंत तक भारत को मिलने वाले थे लेकिन कोरोना महामारी के कारण इनके निर्माण में देरी हो गई। अब पहला फ्रिगेट 2023 के मध्य में भारतीय नौसेना को सौंपा जाएगा। गोवा में बनने वाले दोनों पोतों में से पहला 2026 में बनकर तैयार हो जाएगा।

भारत से पहले यह डिफेंस सिस्टम चीन और तुर्की की सेना में शामिल हो चुका है। यही नहीं, चीन ने तो तनाव को देखते हुए लद्दाख सीमा क्षेत्र में इसे तिब्बत में तैनात भी कर रखा है। एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल हथियार नहीं बल्कि महाबली है। यह आसमान से घात लगाकर आने वाले हमलावर हथियार को पल भर में राख में बदल देता है। इसके सामने दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला खतरनाक फाइटर जेट एफ-35 भी दुम दबाकर भाग जाता है।

अमेरिका द्वारा दी जा रही पाबंदियों की धमकियों के बावजूद रूस ने पहले ही भारत को आश्वस्त कर दिया था कि उसे एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति तय समय पर कर दी जाएगी। इस सौदे को निश्चित समय सीमा के अंदर पूरा करने के लिए रूस प्रतिबद्ध है। विदित हो कि भारत ने वर्ष 2018 में एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए रूस से पांच अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। 'एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम' को ऑपरेट करने का प्रशिक्षण भी भारतीय सशस्त्र सेनाओं के दल को रूस द्वारा दिया जा चुका है। रूस द्वारा एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति भारत को ऐसे वक्त शुरू की गई है जब तुर्की द्वारा की गई एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर अमेरिका उससे काफी नाराज है। अमेरिका के रुख में यह तल्खी भारत द्वारा रूस से की जा रही एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर भी बनी हुई है। लम्बी दूरी की मिसाइलों से लैस इस सिस्टम प्रणाली के जरिए 400 किलोमीटर की दूरी तक उड़ते हुए विमानों, मिसाइलों, छुपे हुए विमानों व ड्रोन आदि तक किसी भी लक्ष्य को निशाना बनाया जा सकता है। इस एयर डिफेन्स सिस्टम की मदद से बैलिस्टिक मिसाइलों और हाइपरसोनिक लक्ष्यों को भी भेदा जा सकता है। राडार की पकड़ में न आने वाले लड़ाकू विमान भी मार गिराए जा सकते हैं।

एस-400 सुपरसोनिक एयर डिफेन्स सिस्टम में सुपरसोनिक एवं हाईपरसोनिक मिसाइलें होती हैं जो लक्ष्य को निशाना बनाने में अचूक होती हैं। इस सिस्टम की गिनती दुनिया के आधुनिकतम एंटी एयरक्राफ्ट हथियारों में होती है। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम नई पीढ़ी का एंटी मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट हथियार है जिसे रूस के अलमाज सेन्टल डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। इनमें 400 किलोमीटर की अधिकतम दूरी तक मार करने के लिए 40-एम-6, लम्बी दूरी तक मार करने के लिए 48-एन-6 और मध्यम दूरी तक मार करने के लिए 9-एम-96 मिसाइलों का इस्तेमाल किया जाता है। अपनी तरफ आने वाली शत्रु की मिसाइल को मार गिराने में सक्षम सबसे लम्बी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल की गति 4800 मील यानी कि 17 हजार किलोमीटर है। यह प्रणाली एक साथ 36 लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। रूस का यह एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम अमेरिका के मिसाइल सिस्टम पैट्रियाट-3 को भी टक्कर देने वाला है।

कमलनाथ पर कार्रवाई के लिए विधायक सिसोदिया ने लिखा पत्र

माही की गूंज, मंदसौर।

विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं छिंदवाड़ा से विधानसभा सदस्य कमलनाथ पर कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम को पत्र लिखा है। विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सिसोदिया ने पत्र में लिखा कि, 25 अप्रैल के समाचार पत्र में दिए साक्षात्कार में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने विधानसभा की कार्रवाई को ÷बकवास÷ बताया है। हम समस्त विधानसभा सदस्य अपने अपने क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कमलनाथ जो नेता प्रतिपक्ष तो है ही उनके क्षेत्र की जनता के साथ संपूर्ण विपक्ष का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, उनके द्वारा विधानसभा की कार्रवाई को लेकर की गई टिप्पणी किसी भी प्रकार से स्वीकार नहीं की जा सकती है। इस टिप्पणी से उनकी लोकतंत्र के प्रति आस्था एवं व्यवस्था के प्रति सोच का उदाहरण मिलता है। मैं इस पत्र के माध्यम से आपको अवगत कराना चाहता हूं कि, कमलनाथ के इस वक्तव्य से न केवल में आहत हूं, बल्कि प्रदेश की आम जनता जो लोकतंत्र में विश्वास करती है। जिन्हें निर्वाचित प्रतिनिधियों पर, विधानसभा की कार्रवाई पर तथा सरकार पर भरोसा रहता है, उनमें भी इस प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी से निराशा का भाव पैदा हुआ है। इससे जनता में भारी आक्रोश है, उनका यह कथन आपत्तिजनक होकर विधानसभा नियमावली के विरुद्ध होकर स्वेछाचारिता एवं कदाचरण की श्रेणी में आता है। जो अत्यंत आपत्तिजनक होकर दंडनीय है। मैं मांग करता हूं कि, कमलनाथ जी के विरुद्ध संविधान के अनुच्छेद 194 तथा विधानसभा की प्रक्रिया और आचरण के नियम 264 व 265 के तहत एवं सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के कृत्य हेतु अनुच्छेद 190 तथा 191 के तहत कठोरतम कार्रवाई की अपेक्षा है।

एम्बुलेंस से बरामद किया डेढ़ क्विंटल अवैध डोड़ा चुरा, एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

नारायणगढ़ पुलिस ने एम्बुलेंस से तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी एम्बुलेंस की आड़ में तस्करी कर रहा था। नारयणगढ टीआई शैलेन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि, पुलिस को एम्बुलेंस की आड़ में मादक पदार्थ तस्करी की सूचना मिली थी। इसी आधार पर बूढ़ा चौकी प्रभारी अभिषेक बोरसी के द्वारा थाना क्षेत्र के संजीत रोड काचरिया चौपाटी पर नाकाबंदी आकर एम्बुलेंस क्रमांक आरजे 27 पिए 7878 की तलाशी लेने पर एम्बुलेंस में प्लास्टिक के बोरो से भरा एक क्विंटल 50 किलो अवैध डोड़ा चुरा बरामद किया है। पुलिस ने एम्बुलेंस चालक सलमान पिता रशीद खा (23) निवासी दाऊद खेड़ी को मौके से गिरफ्तार किया है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, अवैध डोड़ाचूरा नापाखेड़ा के श्रीराम नाम के शख्स ने भरवाया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

जिले में एम्बुलैंस में हो रही तस्करी

मंदसौर जिला अफीम तस्करी का गढ़ माना जाता है। तस्करी के लिए तस्कर नए नए रास्ते ईजात कर रहे हैं। पिछले कई सालों से जिले में निजी एम्बुलेंस की तदात बढ़ी है। एबुलेंस के जरिये में मादक पदर्थों के तस्करी के मामले भी सामने आते रहते हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी मार्च 2015 में इसके बाद भी एक मामले में एम्बुलेंस से तस्करी सामने आ चुकी है।

विधानसभा में उठा था मामला

मंदसौर नीमच में एंबुलेंस की तस्करी को लेकर मामला विधानसभा में भी उठ चुका है। राजधानी में विधानसभा के एक बैठक में मंदसौर भाजपा विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा था कि, रतलाम, मंदसौर और नीमच जिले में एंबुलेंस से मादक पदार्थों की तस्करी हो रही है। उन्होंने इस दौरान आरोप लगाया कि, एंबुलेंस में मरीजों का होना मान कर उसकी चेकिंग नहीं कि जाती थी जिसका फायदा तस्करों ने उठाया। विधायक यशपालसिंह का आरोप था कि, मालवा के तीनों जिलों से डोडा चूरा और अन्य मादक पदार्थ राजस्थान और गुजरात भेजे जा रहे हैं।

इस मामले पर तत्कालीन गृह मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा था कि, इन तीनों जिलों में एंबुलेंस की संख्या तेजी से बढ़ी है। आशंका है कि इनका गलत इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही उन्होने यह किया था कि एंबुलेंस से डोडा चूरा की तस्करी के मामले भी सामने आए है।

चार वर्ष पहले नारायणगढ़ पुलिस ने ही की थी कार्रवाई

एम्बुलेंस का उपयोग मरीजों को अस्पतालों में पहुंचाने के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी में भी हो रहा है। इसको लेकर 13 जनवरी 2018 को नारायणगढ़ पुलिस ने ही बड़ा खुलासा किया था। पुलिस ने एक एम्बुलेंस से 153 किलो डोडाचूरा जब्त कर राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। नारायणगढ़-मल्हारगढ़ मार्ग पर पुलिस ने जांच के दौरान नारायणगढ़ तरफ से आ रही एम्बुलेंस लिखी मारुति ओमनी कार आरजे 03 पी 1856 को रोका तो चालक उदयलाल पिता पूराजी डांगी (32) मुरझाई जिला उदयपुर घबरा गया। शंका पर पुलिस ने एम्बुलेंस की तलाशी ली तो उसमे 5 बोरों में भरा 153 किलो डोडाचूरा भरा मिला था। एम्बुलेंस के साथ कार से पायलेटिंग कर रहे देवीलाल पिता डालचंद डांगी (26) निवासी गुमानपुरा जिला उदयपुर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

एक वर्ष पहले रहस्यमय ढंग से गायब चार लोगों को पुलिस ने किए बरामद

मानव तस्करी से जुड़ा है मामला...

माही की गूंज, मन्दसौर।

थाना अफजलपुर क्षत्रान्तर्गत नाबालिक व गांव की बालिग युवती अपने दो बच्चो के साथ घर से बिना बताए निकल गई थी। परिवार द्वारा सूचना पुलिस को देने पर थाना अफजलपुर में अपराध क्र. 116/21 धारा 363 भादवि का पंजीबद्ध किया साथ ही गुंमशुदगी क्र. 12/21 पंजीबद्ध की गई थी। पुलिस द्वारा अपहृत नाबालिक युवती और बालिक युवती को दस्तयाब किया गया। जिन्होने पृथक-पृथक बताया कि, 7 अप्रेल 2021 को उसकी पडोसी सुमनबाई पति किशोरनाथ कालबेलिया व सुमन की नंनद ने उसे और उसके बडे पापा की लडकी को बहला फुसलाकर कहा कि, सुमन की माँ शैतान बाई पति गोरखनाथ कालबेलिया निवासी ग्राम चौकी थाना रिंगनोद की जान पहचान ऐसे लोगो से हैं जो तुम्हे शादी कर अच्छे से रखेगे तथा सोने के हार व कंगन पहनाएंगे। उक्त कार्य शैतानबाई और उसका लडका कैलाष नाथ कालबेलिया मिलकर करते हैं। जिसके बाद को योजनाबद्ध तरीके से सुमन बाई और उसकी नंनद ने नाबालिक युवती और उसके बडे पापा की लडकी व उसके दो बच्चो को गाव के बाहर ले गए, जहा पर कैलाश नाथ का छोटा भाई राहुल नाथ मोटर साईकिल लेकर उनका इंतजार कर रहा था। राहुल नाबालिक युवती और बालिक युवती तथा उसके दो बच्चों को मोटर साइकिल पर बिठाकर जावरा ले गया। जहा पर पहले से शैतानबाई और उसका लडका कैलाश नाथ मय मोटरसाईकिल के इंतजार कर रहे थे। उन्हें जावरा के जैन ढाबे के पास प्रेसीडेंट होटल में ले गए थे। जहा पर एक कमरा बुक करवा कर यह लोग साथ में रुके थे। उक्त कमरे मे राहुल और कैलाश ने नाबालिक युवती और उसकी बहन के साथ बलात्कार किया। बाद में कैलाश नाथ दोनो युवती और दोनो बच्चो को जोधपुर बस से कृपालसिह पिता कालुसिह सौधिया राजपुत के यहा ले गया था। अगले दिन कृपालसिह बालिक लडकी और उसके बच्चो को जोधपुर मे अपने घर पर छोड कर नाबालिक युवती को जोधपुर से लेकर ग्राम तरोट जिला उज्जैन के विक्रमसिह पिता रामसिह सौधिया राजपुत को एक लाख 50 हजार रुपए में बेच दिया। युवती को बेचकर कृपालसिह वापस जोधपुर आया। बालिक युवती अपने बच्चो के साथ लगभग डेढ माह तक कृपालसिह के यहा रही जहा पर कृपालसिह ने उसके साथ बलात्कार किया। डेढ महिने बाद शैतानबाई बालिक युवती और उसके दोनो बच्चे को लेकर जावरा आई जहा पर कैलाश नाथ व उसकी माँ शैतान बाई ने उसे व उसके दोनो बच्चो को आलोट ले जाकर भेरुलाल पिता गंगाराम तेली के खेत कुए पर रखा। कृपालसिह ने युवती और उसके दोनो बच्चो को गणपत पिता शंभुलाल सुर्यवंषी निवासी सवाखेडी जिला आगर को 90 हजार रुपए में शादी के लिए बेच दिया। जहा पर गणपत ने भी उसके साथ उसकी मर्जी के विरुद्ध डरा धमका कर गलत काम किया। गणपत ने युवती और उसके दोनो बच्चो को सरपंच गोविद सिह लसुडिया डग बडोद जिला आगरमालवा को गवाही में रखकर एक लाख 50 हजार रुपए में नागुलाल पिता प्रभुलाल मेघवाल (22) निवासी गडा थाना डग जिला झालावाड राजस्थान को बेच दिया था।

उक्त दोनो घटना क्रम से अपराध क्र. 116/21 धारा 363, 366,व376, 376(2)एन, 370, 370ए, 506, 34 भादवि एवं 3, 4, 5एल/6, 17 पाक्सो एक्ट एवं 3(2)(अ), 3(2)(अं), 3(1) एससी एसटी एक्ट तथा गुमशुदगी में से अपराध क्र. 130/22 धारा 366, 376(2)(एन), 376डी, 370, 370ए, 372, 120बी, 506, 34, 3(2)(अ), 3(2)(अं), 3(1) एससी एसटी एक्ट का पंजीबद्ध किया गया हैं।

ये था मामला

एक वर्ष पहले रहस्यमय ढंग से गायब हुए एक ही परिवार के चार लोगों को पुलिस ने ढूंढ निकाला था। यह पूरे मामला को मानव तस्करी से जुड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों उज्जैन पुलिस ने पांच वर्ष की एक बच्ची को ढूंढा। महिला और पुरुष उसे ट्रेन से कहीं ले जाने वाले थे। बच्ची मंदसौर की निकली, जिस पर मंदसौर पुलिस के सुपुर्द किया। इस मामले में यह जानकारी सामने आई कि मंदसौर जिले के अफजलपुर थाना क्षेत्र से एक ही परिवार के चार लोग अचानक गायब हो गए थे। इनमें 13 वर्ष व पांच वर्ष की बच्ची, दो वर्ष का बच्चा व 22 वर्ष की महिला शामिल थीं। कार में बैठाकर कुछ लोग इनको ले गए थे। तभी से पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। उक्त परिवार की एक बच्ची को देवास गेट थाना पुलिस उज्जैन ने बरामद किया था।

किसान से पेनल्टी के नाम पर बैंक ने की वसूली, एफआईआर दर्ज

माही की गूंज, पिपलिया स्टेशन।

महिन्द्रा कोटक बैंक से लिए लोन की सभी किश्त जमा कराने के बाद भी फिर पेनल्टी के नाम पर फिर बकाया राशि निकालकर दबाव बनाने पर किसान ने बैंक प्रबंधन पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। मगराना निवासी राधेश्याम पिता नन्दराम ने बताया, मैंने सोनालिका ट्रेक्टर महिन्द्रा कोटक बैंक पिपलियामंडी से 60 माह फाइनेन्स करवाया था, इसकी दस किश्त बनी थी। मैंने 8 किश्त 72 हजार 800 रुपए की जमा कराई। महिन्द्रा बैंक ने किश्त लेट की तो 2 किश्त पेनल्टी बताकर 76 हजार रुपए वसूल किए। इस प्रकार मैंने 64 महिने में 10 किश्त जमा करा दी। इसके बाद बैंक के कर्मचारी हेमन्त सोनी व रईस ने कहा कि, एक हजार 115 रुपए और भरो, तुम्हें एनओसी मिल जाएगी। जब मैं बैंक में एनओसी लेने 25 अप्रेल को गया तो बैंक कर्मचारी राजेश उपाध्याय व मौजूद कर्मचारियों ने अभद्र व्यवहार करते हुए 3 लाख 50 हजार रुपए पेनल्टी और जमा करने की बात कही और धमकी दी कि पैसा भरो अन्यथा ठीक नही रहेगा।

किसान ने बताया, हमने बैंक से 4 लाख 69 हजार रुपए लिए और मय ब्याज के 7 लाख 37 हजार रुपए करीब जमा करा दिए उसके बाद भी बैंक ने फिर 3 लाख 50 हजार रुपए बकाया निकाल दिए। सभी किश्त जमा कराने के बाद भी एनओसी नही दी जा रही है, गाली-गलौज कर धमकाया जा रहा है। किसान ने बैंक प्रबंधन पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर एनओसी दिलाने की मांग की।

उक्त मामले में महिन्द्रा कोटक बैंक के मैनेजर राजेश उपाध्याय का कहना है, किसान के आरोप के बाद मैंने वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराया है। वहां से निर्देश मिलने के बाद निराकरण होगा।

टीआई नरेन्द्र यादव ने बताया, किसान ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है, मामला जांच में लिया है।

एमपीआरडीसी व ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुआ बड़ा हादसा, घायल युवक की मौत

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

जिला प्रशासन की अनदेखी, देखकर नजरअंदाज करना व हर किसी आम जनमानस के जीवन से खिलवाड़ करना इनका पैशा बन चुका है। एक ऐसा ही मामला शुजालपुर के समीप ग्राम रानोगंज में नेवज नदी के पुल का है। उक्त पुल कई वर्षों से जर्जर हो चुका था जिस पर जिला प्रशासन ने ध्यान न देकर कई राहगीरों को मौत की गोद में सुला दिया है। वही टूटे हुए जर्जर पुल पर लीपापोती करते हुए एमपीआरडीसी के कर्मचारी जो कि पुल के ऊपर बिना किसी बेरीगेट को रखकर लापरवाही पूर्वक कार्य कर रहे थे। उक्त कर्मचारियों को बचाने के चक्कर में शुजालपुर की ओर से आ रही लोडिंग ओवर लोड लोहे के पाइप से भरी पिकअप एमपी 42 जी 4068 जो की अकोदिया की ओर जा रही थी, ने बाइक सवार उचोद निवासी दिनेश पिता शिव नारायण धनगर वा उनकी पत्नी और बालिका को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें दिनेश धनगर का एक पेर वही जर्जर पुल पर कटकर अलग हो गया व उनकी पत्नी का भी एक पेर पूरी तरह टूट गया। राहगीरों की मदद से घायलों को उपचार के लिए हेतु शुजालपुर आटो से ले जाया गया जहां गंभीर स्थिति में तीनो को को भोपाल रेफर किया गया। लेकिन दिनेश ने रास्ते मे ही दम तोड दिया।

टीन टप्पर लेकर भागे कर्मचारी

कई दिनों से जर्जर पुल पर रिपेयरिंग करने आए एमपीआरडीसी के कर्मचारी जो कि बिना कोई संकेत दिए और बिना बेरीगेट रखे हुए लापरवाही पूर्वक कार्य कर रहे थे, जो हादसा देख मौके से अपना टीन टप्पर लेकर रफूचक्कर हो गए। ऐसे में सवाल यह उठता है कि, क्या जिला प्रशासन इन लापरवाह कर्मचारियों पर भी कार्रवाई करेगा...? या मुक दर्शक बना रहेगा...?

कई महीनों से उखड़ा हुआ है पुल का हिस्सा

रानोगंज पुल का हिस्सा कई महीनों से उखड़ा हुआ है, मगर इस पर किसी भी जनप्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया। इतना ही नहीं आए दिन इसी मार्ग से सारे प्रशासनिक अधिकारी गुजरते हैं। राज्य शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी इसी मार्ग से होते हुए गुजरते हैं। मगर इस पुल पर उनकी गाड़ी आते ही शायद उनको नींद की झपकी लग जाती होगी ओर शायद इसलिए ही उनकी नजर उक्त जर्जर पुल पर नहीं पड़ी।

गुणवत्ता हिन रानोगंज पुल निर्माण

शाजापुर जिले के तहसील शुजालपुर के समीप बने रानोगंज पुल में भारी अनियमित्ता बरती गई। निर्माण एजेंसी द्वारा पुल सहित सड़क निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया। उसी का खामियाजा राहगीरों द्वारा अपनी जान देकर चुकाया जा रहा है। वही कई बड़ी घटनाओं को देखकर भी जिला प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है या फिर किसी बड़ी भयानक अनहोनी का इंतजार कर रहा है।

सड़क पर कड़ी धूप में रोती रही मासूम

पिकअप मे लोहे के पाइप से टकराने के दौरान दिनेश धनगर का एक पैर पूरी तरह टूट गया, जिसे देख मासूम कड़ी धूप में अपने पिता को पकड कर रोती रही। वही दूसरी ओर दिनेश की पत्नी का भी पेर टूट गया जिन्हें भोपाल रेफर किया गया, जहा दिनेश ने रास्ते मे ही दम तोड दिया।

गूंज ने उठाया था मुद्दा

उक्त जर्जर पुल को लेकर माही की गूंज समाचार पत्र के माध्यम से कई बार प्रशासन को जगाया गया मगर जिला प्रशासन की कार्रवाई नही हुई। जिसके कारण ठेकेदार द्वारा हर बार घटिया सामग्री का उपयोग कर जर्जर पुल पर वर्ष में 8 से 10 बार रिपेयर किया जाता है और फिर से आमजनता के जीवन से खिलवाड़ करने के लिए ठेकेदार को प्रशासन द्वारा बक्श दिया जाता है।

कलेक्टर ने छात्रवृत्ति वितरण का निराकरण नहीं करने पर 7 अधिकारी एवं कर्मचारियों का रोका वेतन

माही की गूंज, मंदसौर।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में कलेक्टर गौतम सिंह द्वारा निर्देश दिए गए कि, छात्रवृत्ति वितरण से संबंधी नवीनीकरण की कार्यवाही में समयावधि पूर्ण नहीं की जाने से पांच महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मृदुला बिल्लोरे डीन उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर, आरके सोहोनी प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर, जगदीश चंद्र बैरागी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय सुवासरा, एनएस चंदेल प्राचार्य आईटीआई मल्हारगढ़ एवं डॉ. डीडीएस बोरीवाल प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय पिपलिया मंडी के द्वारा नवीनीकरण कार्यवाही को समयावधि में पूर्ण नहीं किए जाने पर आगामी आदेश तक संस्था प्रमुख का वेतन आहरण नहीं किया जाएगा।

प्रकरणों के परीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि, एके श्रीवास्तव जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग एवं सूर्य प्रताप शाखा प्रभारी सहायक ग्रेड 3 आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा कार्य में रुचि नहीं लिए जाने एवं प्रत्येक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधोहस्ताक्षर कर्ता द्वारा अंतर्गत विभागीय विषयों की प्रछा की जाने पर इन प्रकरणों से लंबित रहने से अवगत नहीं कराया गया। जिसके कारण छात्रवृत्ति वितरण का कार्य प्रभावित हुआ है। एके श्रीवास्तव जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग एवं शाखा प्रभारी सहायक ग्रेड 3 का वेतन आगामी आदेश तक आहरण नहीं किया जाएगा।

अंधेकत्ल का किया खुलासा, एक गिरफ्तार एक फरार

माही की गूंज, खरगोन।

13 अप्रैल को थाना बड़वाह पर सूचना प्राप्त हुई थी कि हिन्दुस्तान लैलकाटे के सामने चिरल के पेड़ से थोड़ा आगे एक अज्ञात पुरुष का शव चित अवस्था में पड़ा है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण कर अज्ञात पुरुष के शव उम्र करीबन 35 वर्ष होगी जिसके बायें कान पर बायी आँख पर तथा नाक पर दाहिने तरफकपाल पर चोटे है एवं पूरा चेहरा खून से लतपथ है। शव के पास मे एक पत्थर पड़ा है, जिस पर खून लगा है प्रथमदृष्टीय ऐसा प्रतित होता है कि किसी ने व्यक्ति को पत्थर से चोटे पहुंचा कर उसकी हत्या कर दी है। सूचना पर अपराध क्रमांक 205/22 धारा 302 भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक खरगोन रोहित केशवानी, कमांडेंट 24 बटालियन अंकित जायसवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन नीरज चौरसिया, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बड़वाह विनोद दीक्षित के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी बोड़िया प्रकाश वासकले के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन कर हत्या के आरोपी को शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी कर प्रकरण का खुलासा करने हेतु निर्देशित किया गया।

गठित पुलिस टीम द्वारा अपनी पूर्व दक्षता एवं कार्य कुशलता तथा मुखबिर सूचना के आधार पर साक्ष्य एकत्रित कर अज्ञात मृतक के दाहिने हाथ पर राजेन्द्र आरएम मंगली गुंदा हुआ था। पुलिस टीम द्वारा पूरे क्षेत्र मे अज्ञात मृतक के हाथ पर नाम की खोजबीन शुरू की गई। परिणामस्वरूप काटकुट फाटा पर एक लड़की का पता चला जो मृतक को जानती थी जिसके द्वारा अज्ञात मृतक की शिनाख्त करने पर उसकी पहचान राजेश पिता संजय भील निवासी सिरलाय नाम के व्यक्ति से की गई।

अज्ञात मृतक की शिनाख्त होने के बाद प्रकरण में अनुसंधान के दौरान उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर 12 व 13 अप्रैल की रात को मृतक एवं अनिल भील निवासी काटकुट फाटा बड़वाह का आपसी विवाद हुआ था। अनिल एवं उसका दोस्त संजु उर्फ टुण्डा जो घटना स्थल चिरल के पेड़ के नीच निवास करता है। पुलिस टीम द्वारा दोनों व्यक्तियों का पता लगाने पर दोनों घटना दिनांक से फरार होना पाया गया। मुखबिरों द्वारा पुलिस टीम को बताया की दोनों भीख मांगकर अपना भरण पोषण करते है। पुलिस टीम द्वारा संदेही अनिल एवं संजु की तलाश बड़वाह, सनावद, नर्मदा नदी किनारे, मोरटक्का, नावघाट खेड़ी, मांधाता में नागर घाट के पास एवं रेल्वे स्टेशन बड़वाह, बलवाड़ा, महु आदि स्थानों पर किया परन्तु उनकी कोई जानकारी नहीं मिली। दोनों घटना दिनांक से फरार होकर छिपते-फिरते रहने से पूरा शक होने पर मुखबिरों को अनिल एवं संजु की तलाश हेतु लगाया गया। परिणामस्वरूप मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की अनिल रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सनावद रोड पर देखा गया है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर संदेही को रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सनावद रोड से पकड़ा गया।

अनिल द्वारा पूछताछ की गई तो उसके द्वारा बताया गया कि, करीब 3 वर्ष पहले मृतक राजेश भील ने एक हजार 200 रुपए उसकी पत्नी को देने हेतु दिए थे, किन्तु उसकी पत्नी ने उक्त पैसे लेने से इंकार कर दिया तथा पैसे खर्च हो जाने पर मृतक राजेश भील को पैसे नही दे पाने के कारण मृतक राजेश भील आये दिन उसके साथ झगड़ा मारपीट करता रहता था तथा घटना दिनांक को भी उसके (अनिल) के साथ मृतक राजेश ने झगड़ा किया एवं 150 रुपये निकाल लिये जब आरोपी अनिल ने मृतक राजेश से 150 रुपये वापस मांगे तो फिर से मृतक राजेश आरोपी अनिल के साथ झगड़ा करने लगा। इसी कारण आरोपी ने घटना दिनांक को मृतक राजेश के सिर में पत्थर मारकर चोट पहुंचाकर मृतक राजेश की हत्या कर दी एवं घटना को छुपाने के लिये संजु उर्फटुण्डा के साथ मिलकर मृतक के शव को चिरल के पेड़ के पास से घसीटकर नाले में फेंक दिया। घटना में संलिप्त आरोपी संजु उर्फटुण्डा घटना दिनांक से फरार है। जिसकी गिरफ्तारी होना शेष है। गिरफ्तार आरोपी अनिल पिता धुमसिंह जाति भील उम्र 20 साल निवासी काटकुट फाटा फोरेस्ट नाके के पास बड़वाह।

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

माही की गूंज, पेटलावद

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की पेटलावद और सागी मण्डल की कार्यकरणी की घोषणा की गई। जिसके बाद बुधवार को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल पेटलावद के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा सोनू विश्वकर्मा द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि, सभी नवनीत पदाधिकारी अनुभवी व समर्पित भावी कार्यकर्ता हैं। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा में आप सभी का मैं स्वागत करता हूं।

मंडल महामंत्री संजय कहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश के सबसे बड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। आप सबसे भाग्यशाली हैं जो आप सभी इस मोर्चा में पदाधिकारी के रूप में चयनित हुए हैं।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का जिला अध्यक्ष विश्वकर्मा, मंडल महामंत्री संजय कहार, जिला उपाध्यक्ष आशीष चविस्कर द्वारा हार माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में नवनीत महामंत्री पवन हामड, संतोष जयसवाल, उपाध्यक्ष तुलसीराम राठौड़, सुरेश पाटीदार, जगदीश नाकड़, कल्पना भाटोदया, मंत्री-रवि जसपाल, अशोक लोदावरा,, प्रकाश राठौड़, कोषाध्यक्ष-विमल गहलोत,, कार्यालय मंत्री करण परमार आदि कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

पुलिस ने मारा छापा, जुआ खेल रहे 32 हिरासत में

माही की गूंज, बड़वानी।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर सेंधवा एवं बड़वानी की पुलिस पार्टियों ने गत रात्रि 2.30 बजे सेंधवा के इमरान खत्री बाड़ा, नया चारण मोहल्ला में दबिश देकर 32 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। साथ ही इनके पास से 9.25 लाख रुपये नगद, ताश पत्तों की गड्डिया, 30 मोबाईल, 4 कार, 5 मोटर सायकिल जप्त कर, सेंधवा थाने में जुआ एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। इस कार्यवाही में डीएसपी अजाक बड़वानी कुंदन मण्डलोई, रक्षित निरीक्षक इनोद रंधावा, निरीक्षक यशवंत बड़ोले, निरीक्षक नाथूसिंह रंधावा, छगनसिंह बघेल, विजय शर्मा एवं डीआरपी लाईन बड़वानी तथा थाना सेंधवा के स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने इन लोगों के विरुद्ध नामजद बनाया है प्रकरण पुलिस ने जुआ खेल रहे सेंधवा निवासी अकरम पिता अमजाद अली, शंकर पिता सोहनलाल गोयल, ईस पिता मुन्ना कुरैशी, मोहम्मद आसिफ पिता मोहम्मद हुसैन, गजानन्द पिता ओमप्रकाश शर्मा, बिल्ले पिता विवाद हुआ था। अनिल एवं उसका दोस्त संजु उर्फ टुण्डा जो घटना स्थल चिरल के पेड़ के नीच निवास करता है। पुलिस टीम द्वारा दोनों व्यक्तियों का पता लगाने पर दोनों घटना दिनांक से फरार होना पाया गया। मुखबिरों द्वारा पुलिस टीम को बताया की दोनों भीख मांगकर अपना भरण पोषण करते है। पुलिस टीम द्वारा संदेही अनिल एवं संजु की तलाश बड़वाह, सनावद, नर्मदा नदी किनारे, मोरटक्का, नावघाट खेड़ी, मांधाता में नागर घाट के पास एवं रेल्वे स्टेशन बड़वाह, बलवाड़ा, महु आदि स्थानों पर किया परन्तु उनकी कोई जानकारी नहीं मिली। दोनों घटना दिनांक से फरार होकर छिपते-फिरते रहने से पूरा शक होने पर मुखबिरों को अनिल एवं संजु की तलाश हेतु लगाया गया। परिणामस्वरूप मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की अनिल रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सनावद रोड पर देखा गया है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर संदेही को रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सनावद रोड से पकड़ा गया।

अनिल द्वारा पूछताछ की गई तो उसके द्वारा बताया गया कि, करीब 3 वर्ष पहले मृतक राजेश भील ने एक हजार 200 रुपए उसकी पत्नी को देने हेतु दिए थे, किन्तु उसकी पत्नी ने उक्त पैसे लेने से इंकार कर दिया तथा पैसे खर्च हो जाने पर मृतक राजेश भील को पैसे नही दे पाने के कारण मृतक राजेश भील आये दिन उसके साथ झगड़ा मारपीट करता रहता था तथा घटना दिनांक को भी उसके (अनिल) के साथ मृतक राजेश ने झगड़ा किया एवं 150 रुपये निकाल लिये जब आरोपी अनिल ने मृतक राजेश से 150 रुपये वापस मांगे तो फिर से मृतक राजेश आरोपी अनिल के साथ झगड़ा करने लगा। इसी कारण आरोपी ने घटना दिनांक को मृतक राजेश के सिर में पत्थर मारकर चोट पहुंचाकर मृतक राजेश की हत्या कर दी एवं घटना को छुपाने के लिये संजु उर्फटुण्डा के साथ मिलकर मृतक के शव को चिरल के पेड़ के पास से घसीटकर नाले में फेंक दिया। घटना में संलिप्त आरोपी संजु उर्फटुण्डा घटना दिनांक से फरार है। जिसकी गिरफ्तारी होना शेष है। गिरफ्तार आरोपी अनिल पिता धुमसिंह जाति भील उम्र 20 साल निवासी काटकुट फाटा फोरेस्ट नाके के पास बड़वाह।

बनवारी पिता चम्मलाल अग्रवाल, असलम पिता अमजाद अली, महाराष्ट्र के शेंदुर्जना निवासी अरविन्द पिता भरतसिंह गिरासे, भोटू पिता देवराम कोली, शाहद के प्रविण पिता हिरालाल कोली, ललीत पिता चमीलाल राहगडाले, तुषार पिता उद्धव मोरे, विकास पिता साहेबराव पंचार, वसीम पिता दगा मंसूरी, धुलिया निवासी आदिल पिता असलम बाजवान, कपिल पिता बालकृष्ण लिंगायत, भटु पिता सुभाष चौधरी, रविराज पिता आनन्दा चौहान, मनावर के अकालीम पिता भुरे खां, बड़वानी निवासी दिलीप पिता मोतीलाल, ओमप्रकाश पिता तुलसीराम मोची, रज्जाक उर्फ कालु पिता अब्दुल मजीद शेख, सुनिल पिता कैलाश भील, धनोरा निवासी जॉनी पिता जाहिद अली, ग्राम जुनापानी निवासी प्रेमनाथ पिता हिरालाल गोड़से, पानसेमल निवासी सुदीप पिता देविसिंह खेड़कर के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

पुलिस ने 2 लोगों को पकड़कर जप्त की 4 पिस्टल

माही की गूंज, बड़वानी।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में पुलिस ने जमीनों से संबंध की तरकरार रहे 2 लोगों को कोलवी फाटे के पास घेराबंदी कर पकड़ने में सफलता पाई है। आरोपियों के पास से 4 पिस्टल, एक कार, 4 मोबाईल फोन, 2 एटीएम कार्ड जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी राजस्थान के झालावाड़ निवासी मुकेश पिता ओमप्रकाश विश्वकर्मा एवं आकाशगंगा के किनारे काकुपुरा मेवाल पर आर्मस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सेंधवा कमलेश विकास कौशिक, थाना प्रभारी पाटन एनएस पैलान, सहायक उपनिरीक्षक सलाउद्दीन अली, सहायक उपनिरीक्षक संजय पाण्डे, दीपक ठाकुर, अशोक यादव, आरक्षक धर्मेन्द्र वर्मा, राहुल पाटीदार, बलीराम, ईश्वर की विशेष भूमिका रही है।

केबिनेट मंत्री श्री पटेल ने ग्राम रानीपुरा में 3 कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के पशुपालन एवं सामाजिक कल्याण मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने बुधवार को जिले के सबसे पिछड़े विकासखण्ड पाटी के ग्राम रानीपुरा पहुंचकर नवीन पुलिया का लोकार्पण एवं आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर तथा अमृत सरोवर के तहत बनने वाले तालाब का भूमिपूजन किया। वही ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए इससे लाभ उठाने का आव्हान किया। मौके पर ही उन्होंने ग्रामीणों से प्राप्त 170 शिकायतों का निवारण भी उपस्थित पदाधिकारियों से करवाया। साथ ही विभिन्न शासकीय विभागों के मैदानी अमले को चेताया कि शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र ग्रामीण को बिना किसी परेशानी के मिल जाये, यह सुनिश्चित किया जाये।

मंत्री का स्वागत हुआ ढोल ढमाके एवं कलश यात्रा से

विकास का संदेश लेकर पहुंचे केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल का स्वागत ग्रामीणों ने ढोल-मांदल बजाकर एवं महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर विकास यात्रा निकालकर किया। वही कार्यक्रम के दौरान कन्याओं का पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

विलविलाती गर्मी में भी दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीण

ग्राम रानीपुरा में लगाये गये जनसमस्या निवारण शिविर एवं कृषक सम्मान समारोह में दूर-दराज ग्रामों के भी जनप्रतिनिधि, महिला-पुरुष चिलचिलाती गर्मी के पश्चात् भी बड़ी संख्या में पहुंचे थे। जहां पर केबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने ग्राम पटेलों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत साफा बांधकर किया।

यह थे उपस्थित

कार्यक्रम के दौरान केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, जनपद पंचायत पाटी उपाध्यक्ष दीलू मालवीय, मण्डल अध्यक्ष बड़वानी कृष्णा गोले, पाटी श्रीकांत त्रिवेदी, बड़वानी नगर के वरिष्ठ सुभाष जोशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता चौहान, पाटी के वरिष्ठ बरमा सोलंकी, जनपद पंचायत सीईओ अख्तार खान सहित बड़ी संख्या में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी, दूर दराज क्षेत्रों से आये ग्रामीणजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हेमंत शर्मा ने किया।

घरेलू गैस कनेक्शन के व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

माही की गूंज, खरगोन।

खाद्य विभाग ने गत दिवस सेगांव और ऊन में गैस कनेक्शन को लेकर कार्रवाई की गई है। खाद्य आपूर्ति अधिकारी मनोहर ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि, मंगलवार को विभाग के खाद्य निरीक्षकों द्वारा सेगांव और ऊन में घरेलू गैस कनेक्शन का व्यावसायिक उपयोग करने पर गैस सिलेंडर सहित अन्य सामग्री जप्त करने की कार्यवाही की गई है। खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्री ठाकुर ने बताया कि यह कार्यवाही इवीकृत गैस प्रदाय एवं वितरण विनियम आदेश 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन होने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत की गई है। कार्यवाही में ऊन में श्री सिद्धिसिद्धी विघ्नेश्वर, होटल नागराज होटल और मां भगवती चौपाटी चहनीज सेगांव से 4-4 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किए गए है। इसके अलावा सिद्धिसिद्धी विघ्नेश्वर को छोड़कर अन्य प्रतिष्ठानों से एक-एक भट्ठी मय नली व रेग्यूलेटर भी जप्त किया है। जबकि सत्यम होटल और ऊन की ही साई होटल से 2-2 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किए हैं। इस तरह कार्यवाई में कुल 25 हजार 150 रूपये की सामग्री जप्त की गई। कार्यवाई के दौरान जेएसओ नरेंद्र, आकिब खान, हेमंत मण्डलोई, गोविन्द मण्डलोई एवं युनिसपाल पटेल मौजूद रहे।

खनिज विभाग की कार्रवाई में पोकलेन सहित जेसीबी और ट्रेक्टर जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में अवैध खनिज खनन को लेकर गत रात्रि में खनिज विभाग ने अपनी तत्परता से राजस्व विभाग के साथ मिलकर रात एक बजे तक कार्यवाही को अंजाम दिया। जिला खनिज अधिकारी सलमान चौहान ने बताया कि मंगलवार शाम को सूचना मिलने पर खनिज निरीक्षक रीना पाठक कलेक्टर श्रीमती अनुशा पी. के निर्देशों पर मण्डलेश्वर पहुंची। यहां राजस्व विभाग के तहसीलदार व अमले के साथ मिलकर सुलगांव स्थित क्षेत्र में पोकलेन, जेसीबी और ट्रेक्टर पाए गए। इनकी जांच व आवश्यक कार्यवाही की गई। पोकलेन मशीन सहित अन्य वाहन पुलिस की अभिरक्षा में सुपुर्द करने के लिए ट्रले की व्यवस्था की गई। खनन क्षेत्र से मशीनों को निकालने में करीब एक बजे चुके थे। रात में ही ट्राला पोकलेन मशीन सहित जेसीबी और ट्रेक्टर को लेकर मण्डलेश्वर थाने पहुंचा। यहां पुलिस की अभिरक्षा देने तक रात एक बजे चुके थे।

गोई नदी में अवैध रेत खनन करते 5 ट्रेक्टर-ट्राली जप्त

माही की गूंज, बड़वानी।

एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर बुधवार को राजस्व एवं माननिय विभाग के दल के साथ ग्राम धामटा में गोई नदी में काली रेत खनन एवं परिवहन करने वालो पर दबिश देकर मौके से 5 ट्रेक्टर-ट्राली जप्त कर, पुलिस अभिरक्षा में खड़ा करवाया है। एसडीएम श्री धनगर ने बताया कि, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देश पर इस प्रकार की कार्यवाही सतत् जारी रहेगी। उन्होंने किसान बंधुओं से भी अपील कि है कि यदि उनका ट्रेक्टर-ट्राली कोई किराये पर या अनुबंध पर ले जाता है तो वे ध्यान रखे कि उनका वह ट्रेक्टर-ट्राली रेत खनन के अवैध व्यापार में तो नही लगाया गया है। अन्यथा की स्थिति में जप्त ट्रेक्टर-ट्राली को राजसात करने पर संबंधित किसानों को भारी हानि उठाना पड़ेगी।

राज्य शासन द्वारा नियुक्त अधिकरण दल खरगोन पहुँचा, प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन किया

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन शहर में 10 अप्रैल को आयोजित जुलूस के बाद साम्प्रदायिक दंगों से हुई लोक एवं निजी संपत्ति को नुकसान के दावों के प्रतिकर अधिनिर्णीत करने के लिए राज्य शासन ने दावा अधिकरण दल नियुक्त किया है। इस दल के अध्यक्ष व सेवानिवृत न्यायाधीश शिवकुमार मिश्रा और मप्र शासन के सेवानिवृत सचिव श्री प्रभात पाराशर मंगलवार को खरगोन पहुंचे। यहां स्थानीय एनवीडीए रेस्ट हॉउस में कलेक्टर श्रीमति अनुशा पी और एसपी रोहित काशवानी ने मुलाकात की। इसके पश्चात अधिकरण दल प्रभावित क्षेत्र का अवलोकन करने पहुंचे। दोनो ही अधिकारी सबसे पहले तालाब चौक पहुँचकर घटना के पहलू के बारे में जाना। यहां कलेक्टर व एसपी द्वारा 10 अप्रैल की वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी दी। इसके पश्चात संजय नगर पहुँचकर प्रभावित नागरिको के घरों में जाकर नुकसानी को देखा। साथ ही अधिकारियों ने प्रभावित नागरिको से बात भी की। यहां कलेक्टर व एसपी ने मोहल्ले में हुई घटना के बारे में बताया। दल के सदस्य व सेवानिवृत सचिव श्री प्रभात पाराशर ने संजय नगर निवासी रविन्द्र कुमावत से घटना के दिन के बारे में जाना। अधिकारियों ने संजयनगर, छोटी मोहन टाकिज, काजीपुरा और भाटवाड़ी क्षेत्र का अवलोकन किया। इस दौरान अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा, एसडीएम मिलिन्द ढोके, तहसीलदार श्री योगेन्द्र मौर्य सहित राजस्व का अमला मौजूद रहा।

चेक बाउंस के आरोपी को मिली एक वर्ष कारावास की सजा

माही की गूंज, बड़वानी।

न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी बड़वानी विनय जैन द्वारा पारित अपने निर्णय में चेक बाउंस के आरोपी बड़वानी निवासी सुभाष पिता रणछोड़ राठौड़ को 1 वर्ष के कारावास की सजा से दण्डित किया है।

प्रकरण में पैरवी करने वाले अभिभाषक हेमेन्द्र कुमावत एवं नरेन्द्र राठौड़ से प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपी ने परिवादी राकेश पिता बाबूलाल सैनी से जनवरी माह में 70 हजार रुपये उधार लिये थे। आरोपी ने परिवादी को माह एक फरवरी 2021 में 70 हजार रुपये की अदायगी हेतु चेक दिया था, जो कि आरोपी के खाते में अपर्याप्त निधि होने के कारण अनादरित हो गया था। न्यायालय ने अपने निर्णय में आरोपी सुभाष राठौड़ को आदेशित किया कि, वह परिवादी को चेक राशि, ब्याज, न्याय शुल्क एवं अन्य व्यय सहित प्रतिकर के रूप में एक लाख रुपये 30 दिन के भीतर जमा करने का आदेश दिया है।

नही थम रहा ओवर लोडिग का सिलसिला

वाहन दुर्घटना में एक की मौत, 22 घायल, तीन की हालत गंभीर

विगत माह गूंज ने प्रशासन का किया था ध्यान आकर्षित

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु संपूर्ण अलीराजपुर जिले में जिधर देखो उधर जीपों, मेजिक तथा ऑटो रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां ढोई जा रही है, न चलाने वालों को और नहीं बैठने वालों को मौत का खौफ। माही की गुंज ने विगत माह ÷क्षमता से अधिक ढो रहे सवारिया÷ शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर प्रशासन तथा यातायात विभाग का ध्यान आकर्षित किया था, मगर क्या मजाल कि प्रशासन के कान पर जूं तक रेंगती। जिसका नतीजा 22 अप्रेल को ओवरलोड जीप पलटने से एक बच्चे की मौत तथा 22 घायल हो गए वही तीन की स्थिति गंभीर है। उक्त घटना के बाद भी प्रशासन कुंभकर्णीय नींद में सोया दिख रहा है तथा वाहन यमराज बन दौड़ रहे हैं।

गुंज ने चेताया था

विगत महीने माही की गुंज में सचित्र समाचार ÷क्षमता से अधिक ढो रहे सवारिया÷ शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर यातायात तथा पुलिस प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए ओवरलोडिंग पर अंकुश कसने की मांग की थी। लेकिन हमेशा की तरह समाचार पत्रों के समाचारों को अनदेखा कर देने की प्रशासन की आदत के अनुसार कोई ध्यान नहीं दिया गया और आज तक टेम्पो, तूफान मेजिक, जीप तथा ऑटो रिक्शा आदि ओवरलोड दौड़ रहे हैं। जबकि अभी हाल ही में 22 अप्रेल को बेहडवा से कनवाड़ा जा रही तूफान जीप क्र. जीजे 17 बीएन 5236 में लगभग 25 से अधिक सवारियां जिनमें 15 बच्चे भी शामिल थे, ग्राम छोटा इटारा में पलटी खा जाने से एक बालक इनेश पिता गुमान (14) की मृत्यु हो गई। वही 14 बच्चों सहित अन्य 4 महिला तथा 4 पुरुष घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई गई है।

जीपों की छत पर अधिकांश बच्चे

इन अवैध रूप से सवारियां ढोने वाली जीपों, टेंपो, मेजिको एवं तीन पहिया ऑटो रिक्शा में जितनी सवारियां अंदर नहीं होती उससे कई ज्यादा ऊपर छत पर होती है उनमें भी अधिकांश बच्चे होते हैं। हाट बाजार के अलावा शादी-विवाह, नुक्ता-घाटा तथा शादी के बाद दुल्हन को लाने व ले जाने (आणा) तथा शादी-विवाह के बाद वर-वधू पक्ष में बकरे खाने की परंपरा हेतु जो भीड़ वाहनों में जाती है, उनमें अधिकतर बच्चे होते हैं। दुर्घटना होने पर बच्चे आघात सहन नहीं कर सकते हैं तथा जनहानि अधिक होने की संभावना रहती है।

शासन-प्रशासन राजनीतिक दबाव में

क्षेत्र में चल रहे अधिकांश अवैध वाहन उन ग्रामीण क्षेत्रों के है या कस्बा अथवा शहरी क्षेत्रों के है जिनको किसी न किसी रसूखदार राजनीतिकों का संरक्षण रहता है। यही कारण है कि, जब पुलिस या यातायात विभाग ईमानदारी से कार्रवाई करता है तो कार्यालयों के तथा अधिकारियों के मोबाइल बजने लगते हैं। कुछ समझाइश से तो कई बार अपने रसूख के पावर से वाहन छुड़वा लेते हैं तथा वे फिर सड़क पर आ धमकता है। जब तक दबाव तथा हस्तक्षेप चलता रहेगा प्रशासन ईमानदारी से कार्य कर ही नहीं सकेगा। अधिकारी-कर्मचारियों को अपनी नौकरी की तथा परिवार की चिंता भी तो रहती है और यही चिंता उन्हें कार्यवाही करने से रोक देती होगी, वरना क्या कारण है कि आंखों के सामने से गुजरते इन अवैध वाहनों पर कोई सटीक तथा स्थाई कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है और यह यमदूत के वाहन लोगों की जान से खिलवाड़ करते रह रहे हैं। जो कि भविष्य में कितनों की जान लेंगे यह चिंता का विषय होना चाहिए। क्या प्रशासन कभी कोई ठोस कार्रवाई करेगा...?

नालियों की सफाई नहीं, भरा कीचड़ लगा मच्छरों का डेरा

नपा की उदासीनता से बीमारी फैलने की आशंका

माही की गूंज, अलीराजपुर

स्वच्छ भारत मिशन का जिला मुख्यालय में बुरा हश्र है। बदहाली का आलम यह है कि, नपा क्षेत्र के वार्डों क्र. 2 गोदाम के पास की नालियों की सफाई नहीं होने से कीचड़ से बजबजा रही है। तो कहीं नालियों से बहकर कीचड़ रास्तों पर आने से राहगीरों को परेशानी हो रही है। वार्डवासियों का कहना है कि, साफ-सफाई नियमित तौर से नहीं होती। इससे नालियों में मच्छरों का डेरा है। ऐसे में गर्मी में मच्छरों व गंदगी से फैलने वाली बीमारियों की चपेट में आने की आशंका है। खास बात यह है कि, जिम्मेदार इस ओर गौर नहीं कर रहे हैं। साफ-सफाई अब सिर्फ मुख्य मार्ग तक ही सीमित रह गई है। सड़क किनारे बसे वार्ड तक सफाईकर्मी नहीं पहुंच रहे हैं।

स्थानीय नागरीकों का कहना है कि, एक या दो बार ही नालियों की सफाई होती है। इससे नालियां जाम रहती हैं। इससे दुर्गंध के अलावा मच्छर भी बढ़ जाते हैं, जिससे बीमारी फैलने की आशंका बढ़ जाती है। आलम यह है कि, यहां न तो सफाई और न ही यहां नालियों में नियमित रूप से डीडीटी पावडर का छिड़काव किया जाता है। ऐसे में यदि जिम्मेदार इस ओर गौर नहीं करते तो परेशानी होनी तय है।

पार्षद नही दे रहे ध्यान

वार्ड क्र. 2 के वार्डवासियों का कहना है कि, 4 से 5 माह में पूर्व नालियों की सफाई कि गई थी। नियमित सफाई नही होने से नाली में कचरा एकत्र हो जाता है। कई जगह की नाली भी जाम होने मच्छर पनप रहे है। सफाई में भले ही देरी हो लेकिन डीडीटी पावडर का नियमित छिड़काव होना चाहिए। जिससे मच्छर न पनप सके। सबसे अधिक परेशानी वार्ड क्र. 2 में है क्योंकि यह वार्ड नगर के बीचोबीच स्थित है। साथ ही पार्षद व जिम्मेदारों को शिकायत के लिए कॉल किया जाता हैं। उनके नम्बर पर सम्पर्क नही हो पाता।

आबकारी विभाग शराब माफियाओं पर कार्रवाई के बजाए लीपापोती करने में जुटा - विधायक पटेल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधायक मुकेश पटेल ने जारी प्रेस नोट मे बताया कि, इन दिनों जिले में अवैध शराब का परिवहन और विक्रय जोरो पर हो रहा है। आबकारी विभाग अवैध शराब परिवहन, शराब दुकान और गोडाउन मे अधिक स्टॉक रखने वालों पर कार्रवाई की बजाए लीपापोती करने मे जुटा हुआ है। विधायक पटेल ने बताया कि, इस संबंध में मेरे द्वारा जिले के कलेक्टर एसपी एवं आबकारी विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराया गया था किस जिले में लगातार शराब माफियाओं द्वारा अवैध रूप से शराब का विक्रय और परिवहन किया जा रहा है। जिसके चलते आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कहीं युवा नशे की लत में अपनी दिशा से उद्देश्य से भटकते जा रहे हैं और आए दिन आपराधिक घटनाएं हो रही है। इन पर अंकुश लगाए जाने की सख्त आवश्यकता है।

परंतु जिले में शराब ठेकेदार द्वारा सीमाव्रती ग्राम छकतला में एक शराब गोडाउन में अवैध रूप से शराब का भंडारण किए जाने का वीडियो विगत दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। उक्त वीडियो जिले सहित प्रदेश के अन्य जिलों मे खूब प्रचारित हुआ। इस संबंध में समाज के कई महानुभवो ने भी प्रश्न उठाया और प्रशासन को इसका जिम्मेदार ठहराया।

विधायक पटेल ने बताया कि, मुझे ज्ञात हुआ कि छकतला गोडाउन में अवैध रूप से रखी गई शराब को जिले की विभिन्न शराब दुकानों में आबकारी विभाग अमले के सहयोग से अन्य जगह भिजवा दी गई। आबकारी विभाग द्वारा शराब ठेकेदार को बचाने का प्रयास किया गया है। जबकि प्रशासन को इसकी जांच कराई जाना थी कि जिले में इतनी शराब कहां से और कैसे आई, क्या उसका कोई लेखा-जोखा है या नहीं, ऐसा नहीं करते हुए आबकारी विभाग और शराब ठेकेदार की मिलीभगत से लीपापोती कर दी गई।

विधायक पटेल ने जिला प्रशासन से मांग की है कि, जिले मे हो रहे अवैध शराब के कारोबार, परिवहन और शराब गोडाउन के भंडारण पर सख्त कार्यवाही करे। अन्यथा कांग्रेस पार्टी ग्रामीणजनो को साथ लेकर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन करेंगी।

2 से 11 मई तक आयोजित होगा लाडली लक्ष्मी उत्सव

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में लाडली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन 2 मई से 11 मई तक आयोजित होगा। उक्त आयोजन के संबंध में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभा कक्ष में विभागीय अधिकारियों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार लाडली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन 2 मई से 11 मई तक किया जाना है। बैठक में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन ग्राम पंचायत, विकास खण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर किया जाना है। शासन के दिशा निर्देशों को विस्तृत रूप से बताया गया है। लाडली लक्ष्मी उत्सव के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन उक्त निधार्रित तिथियों में विभिन्न स्तर पर किए जाने हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जन जातीय कार्य विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग, स्कुल शिक्षा विभाग, संस्कृति विभाग, परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग आदि समस्त को निर्देश दिए गए।

2 मई को राज्य स्तरीय कायर्क्रम का सीधा प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर, विकासखण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर समस्त लाड़ली बालिकाओं व उनके अभिभावक को टेलीविजन, मोबाईल के माध्यम से मुख्यमंत्री के संदेश का प्रसारण होगा। कायर्क्रम अंतर्गत चयनित बालिकाओं को देश की अंतराष्ट्रीय सीमा वाघा बॉर्डर पंजाब के भ्रमण हेतु अलीराजपुर जिले से 3 लाडली बालिकाओं को भेजा जा रहा है। साथ ही स्थानीय स्तर पर लाडली बालिकाओं को भ्रमण पर ले जाने के हेतु पयर्वेक्षको को निर्देश दिए है।

3 मई को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकने हेतु परियोजना अधिकारी पयर्वेक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजन किए जाएंगे तथा शिक्षा साहित्य संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली लाडली बालिकाओं का सम्मान भी विभाग द्वारा किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तरए विकासखण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर रंगोली, स्लोगन, वाद-विवाद, गायन, नृत्य, चित्रकला, कबड्डी, खो-खो आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली लाडली बालिका को पुरस्कृत किया जाएगा। बैठक में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, समस्त अनुविभागीय अधिकारीगण एवं विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

शादी के मद्देनजर सामानों की बढ़ी बिक्री

माही की गूंज, आम्बुआ।

कोरोना काल में घरों के अंदर कैद रहे लोगों को अब जाकर मिली छूट के बाद बाजार जैसे गुलजार हो रहे हैं। इन दिनों शादी-विवाह की सभी और धूम मची है। जिसमें शामिल होने के लिए मेहमान सज-धजकर जाने हेतु कपड़ों से लेकर ज्वेलरी (गहनों) तथा श्रृंगार प्रसाधन सामग्री की खरीद-बिक्री बाजारों में बढ़ती देखी जा रही है।

शादी समारोह में सम्मिलित होने के लिए सजना-सवरना जरूरी होता है। यही कारण है कि, वर्तमान में बाजारों की दुकानों में भीड़ देखी जा रही है। इस भीड़ में सर्वाधिक संख्या महिलाओं की होती है। बाजार में कपड़ों के साथ-साथ असली तथा नकली (पॉलिश युक्त बनावटी गहने) श्रंगार सामग्री तथा ज्वेलरी (गहने) खरीदने वाली महिलाएं विशेषकर युवतियां दुकानों पर नजर आ रही है। जिस कारण सामानों की बिक्री में बढ़ोतरी होने से मांग बढ़ रही है। सामानों में दूल्हा-दुल्हन के सामान भी खरीदे जा रहे हैं। इन सामानों के विक्रेता व्यापारियों में खुशी है कि, कोरोना की छूट मिलने के बाद भी विगत महीनों जो हानि हुई उसकी भरपाई के साथ-साथ अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद बढ़ रही है।

विधायक ने ग्राम के वृद्धजनों से करवाया पुल निर्माण का भूमि पूजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधानसभा क्षेत्र अलीराजपुर के ग्राम बडदला के गुगाटी फलिया में 47 लाख 62 हजार रुपए की लागत से बनने वाले पुल का भूमि पूजन स्थानीय गांव के वृद्धजनों से करवाया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित बुजूर्गो ओर माताओं का विधायक मुकेश पटेल ने फूलों की माला पहनाकर और साल से सम्मानित किया व उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक पटेल ने स्थानीय ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए अवगत कराया कि, मैं आपकी हर जरूरत और समस्याओं का निराकरण करने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में आदिवासी समाजजनों के हितों को ध्यान में रखकर सरकार को प्राथमिकता के साथ विकास कार्य की और ध्यान देने की आवश्यकता है।

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान नरेश डावर, कैलाश डावर, छगन भगत, मनीष चौहान जिला आईटी सेल अध्यक्ष सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध रेत परिवहन करने वालों पर जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

20 डम्फर व ट्रक के साथ 300 क्यूबीक मीटर अवैध भंडारित रेत जप्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन पर राजस्व पुलिस और खनिज विभाग अधिकारियों एवं मैदानी अमले ने 25 व 26 अप्रैल की दरम्यानी रात को चांदपुर में 18 डम्फर व ट्रक, नानपुर में 2 डम्पर तथा साजनपुर में करीब 300 क्यूबीक मीटर अवैध रूप से संग्रहित भंडारित रेत जप्त की गई। एसडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीओपी सुश्री श्रृद्धा सोनकर, जिला खनिज अधिकारी रविन्द्र परमार के नेतृत्व में राजस्व पुलिस और खनिज विभाग की पूरी टीम ने दल-बल के साथ सघन छापेमारी की।

अवैध रेत परिवहन करते पकडे गए वाहनों में वाहन एमपी 09 एच 8887, जीजे 13 एडब्ल्यू 7314, जीजे 13 एडब्ल्यू 4166, जीजे 13 एएक्स 2300, एपी 13 एच 4366, एमपी 13 एच 1132, एमपी 09 एचजे 4166, एमपी 13 एच 4719, जीजे 17 यूयू 1165, जीजे 20 एक्स 0844, आरजे 09 जीडी 3100, एमपी 11 एच 1359, एमपी 11 एच 1537, एमपी 13 एच 4266, एमपी 11 एच 6577, एमपी 09 एचजे 6949, एमपी 13 एच 1175 एवं एक वाहन बगैर नंबर का जप्त किया गया। वहीं ग्राम साजनपुर में संग्रहित कर भंडारित रखी 300 क्यूबीक मीटर रेत जप्त की गई है।

इसी प्रकार नानपुर में जीजे 13 एडब्ल्यू 6314 एवं जीजे 13 एडब्ल्यू 722 वाहनों में अवैध रेत जप्त की गई। जप्त वाहनों में 18 वाहन चांदपुर पुलिस थाना एवं 2 वाहन नानपुर पुलिस थाना में पुलिस अभिरक्षा में रखे जाकर कार्रवाई प्रचलित है। प्रशासन की उक्त संयुक्त कार्रवाई से अवैध रेत परिवहन करने वालों में हडकम्प मचा है।

कलेक्टर सिंह एवं एसपी सिंह ने बताया, अवैध रेत परिवहन करने वालों पर लगातार कडी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर व एसपी ने उक्त कार्रवाई में लगे सभी अधिकारी एवं कमर्चारियों को बधाई दी।

देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
देशद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट ने इस हफ्ते तक केंद्र से जवाब दाखिल करने को कहा है। अब कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 5 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को कहा कि, केंद्र इस हफ्ते के अंत तक अपना जवाब दाखिल करें। इसके बाद याचिकाकर्ता अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करेंगे।

केंद्र की ओर से एसजी तुषार मेहता ने कहा कि, केंद्र की ओर से जवाब लगभग तैयार है और दो-तीन दिन में हलफनामा दाखिल किया जाएगा अन्य याचिकाओं को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

मामले की सुनवाई सीजेआई एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की स्पेशल बेंच कर रही है। साथ ही एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और पूर्व सैन्य अधिकारी समेत अन्य याचिकाओं पर होगी सुनवाई। 15 जुलाई 2021 को हुई सुनवाई में अदालत ने इसे भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ

इस्तेमाल किया जाने वाला औपनिवेशिक कानून करार देते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया था।

अदालत ने कहा था कि, इस कानून का गलत इस्तेमाल हो रहा है। कोर्ट ने कहा था कि, राजद्रोह कानून एक औपनिवेशिक कानून है और इसका इस्तेमाल अंग्रेजों द्वारा और हमारी आजादी का गला घोंटने के लिए किया गया था। इसका इस्तेमाल महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक के खिलाफ किया गया था। यह कहते हुए कि कोर्ट देशद्रोह कानून की वैधता की जांच करेगा, कोर्ट ने इस पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था।

मामले में शीर्ष अदालत ने पूछा था कि, क्या आजादी के 75 वर्ष बाद भी इस कानून की जरूरत है? अदालत ने कहा था कि, कई याचिकाओं में देशद्रोह कानून को चुनौती दी है और सभी पर एक साथ सुनवाई होगी। अदालत ने कहा था कि, हमारी चिंता कानून का दुरुपयोग पर है। दरअसल, कोर्ट ने देशद्रोह संबंधी 'औपनिवेशिक काल' के दंडात्मक कानून के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की और प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाली 'एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' की याचिका समेत याचिकाओं के समूह पर केंद्र से जवाब मांगा है।

जिन्ना की राह पर दिग्विजय सिंह - विधायक शर्मा

भोपाल। देशभर में इन दिनों धार्मिक विवाद की खबरें खूब आ रही है। खरगोन में भड़की हिंसा के बाद मध्य प्रदेश में भी इसका असर जमकर देखने को मिल रहा है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा और कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को लेकर हमेशा मुखर रहते हैं। ऐसे में इन दिनों दोनों नेताओं के बीज जमकर

बयानबाजी हो रही है। कल दिग्विजय सिंह के बयान पर रामेश्वर शर्मा ने एक बार फिर निशाना साधा है।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि, दिग्विजय सिंह जिस तरह के बयान दे रहे हैं, उससे वह जिन्ना की राह पर चलते हुए नजर आ रहे हैं, मुस्लिमों को भड़का कर डूबती कांग्रेस अपनी सियासी जमीन बचा रही है। लेकिन अब मुसलमान भी इनकी हकीकत जान चुके हैं, इसलिए मुस्लिम अब कांग्रेस छोड़कर जा रहे हैं। इसलिए मुस्लिमों को भड़का कर दिग्विजय सिंह कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व बचाने में जुटे हैं।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि, वह दिग्विजय सिंह से पूछना चाहते हैं कि उन्होंने मुस्लिमों को पैसे देकर पत्थर फिकवाये थे क्या, इसका जवाब उन्हें देना चाहिए। वे केवल इस तरह के बयान देकर केवल माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

दिग्विजय सिंह ने लगाया था आरोप

दरअसल, दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया था, उन्होंने कहा था कि, भाजपा मुसलमान युवकों को पैसे देकर पत्थर फिकवाती है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे इसकी सत्यता की जांच करा रहे हैं। इसी कारण वो आरोप नहीं लगा रहे हैं, वो केवल ये बता रहे हैं कि उन तक ऐसी सूचना आई है।

हेट इन इंडिया और मेक इन इंडिया साथ नहीं चल सकते- राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर करारा हमला बोला। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि, हेट इन इंडिया और

मेक इन इंडिया दोनों साथ नहीं चल सकते हैं। उन्होंने पीएम मोदी से अपील की है कि, वो देश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी के मुद्दे पर ध्यान दें। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि भारत में व्यापार चलाने की सहूलियत खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि, पिछले कुछ सालों में 7 वैश्विक ब्रांड, 9 फैक्ट्रियां, 649 डीलरशिप और 84 हजार लोगों की नौकरियां जा चुकी है। राहुल गांधी ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें बताया गया था कि साल 2017 में शेवरले, 2018 में मैन ट्रक्स, 2019 में फीयट और यूनाइटेड मोटर्स, 2020 में हार्ले डेविसन, 2021 में फोर्ड और 2022 में डेट्सन कंपनी भारत छोड़कर जा चुकी है।

राहुल गांधी ने इन आंकड़ों के साथ ट्विटर पर लिखा, मोदी जी, हेट इन इंडिया और मेक इन इंडिया दोनों एक साथ नहीं चल सकता है। अब समय आ गया है कि आप विनाशकारी बेरोजगारी संकट को दूर करने की तरफ ध्यान लगाएं। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से कांग्रेस पार्टी महंगाई और बेजरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को लगातार घेर रही है।

पिछले दिनों राहुल गांधी ने एक रिपोर्ट के हवाले से कहा था कि प्रधानमंत्री के 'मास्टर स्ट्रोक' की वजह से देश के 45 करोड़ लोगों ने नौकरी की उम्मीद ही छोड़ दी है। राहुल गांधी नेसेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट के हवाले से कहा था कि, 2017 से 2022 के बीच कुल श्रम भागीदारी 46 प्रतिशत से कम होकर 40 फीसदी रह गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान 2 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों ने काम छोड़ा और सिर्फ 9 फीसदी आबादी को काम मिला।

बढ़ते कोरोना से अलर्ट रहने की जरूरत- पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश में कोविड-19 की स्थिति पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। पीएम ने इस बैठक में कहा कि, स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है ओमिक्रोन और उसके सब वैरिएंट्स किस तरह गम्भीर परिस्थिति पैदा कर सकते हैं, ये यूरोप के देशों में हम देख सकते हैं। पिछले कुछ महीने में इन वैरिएंट्स से मामले बढ़े हैं, कई देशों की तुलना में भारत ने हालात को नियंत्रण रखा है।

पीएम ने कहा कि, बीते 2 वर्षों में कोरोना को लेकर ये हमारी 24वीं बैठक है। कोरोना काल में जिस तरह केंद्र और राज्यों ने मिलकर काम किया है और जिन्होंने कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। मैं सभी कोरोना वॉरियर्स की प्रशंसा करता हूं। पिछले 2 हफ्तों से मामले जो बढ़ रहे है, उससे हमें अलर्ट रहना है। 2 वर्ष के भीतर में देश ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर ऑक्सीजन सप्लाई तक कोरोना से जुड़े हर पक्ष में जो आवश्यक है उसे देने का काम किया है। तीसरी लहर में स्थितियां अनियंत्रित होने की खबर नहीं आई।

पीएम ने आगे कहा कि, आज भारत के 96 प्रतिशत वयस्क आबादी को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है और 15 वर्ष के ऊपर बच्चों को करीब 85 प्रतिशत लोगों को दूसरी डोज लग चुकी है। मार्च में हमने 12-14 वर्ष के बच्चों के लिए टीकाकरण शुरू कर दिया था। अब 6-12 वर्ष के बच्चों के लिए भी को-वैक्सीन टीके की अनुमति मिल गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर के अपग्रेड का काम तेजी से चलता रहे, ये सुनिश्चित करना चाहिए। बिस्तर, वेंटिलेटर और पीएसए ऑक्सीजन प्लांट जैसी सुविधाओं के लिए हम काफी बेहतर स्थिति में हैं, लेकिन ये सुविधाएं कार्यांवित रहे, हमें ये भी सुनिश्चित करना होगा।

केन्द्रीय विद्यालय में कोटा राज हुआ खत्म

नई दिल्ली।
केन्द्रीय विद्यालयों में 40 हजार सीटें को मुक्त करने के एक बड़े फैसले में सरकार ने केंद्रीय वित्त पोषित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में ÷कोटा राज÷ को पूरी तरह से खत्म करने का फैसला किया है। सांसदों, सरकारी अधिकारियों और केंद्रीय विद्यालय संगठन के इन विशेषाधिकारों को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत मुफ्त दाखिला देने का भी निर्णय लिया है।

यह विवेकाधीन कोटा पिछले महीने की शुरुआत में ही रोक दिया गया था और शिक्षा मंत्रालय की ओर से इसकी समीक्षा भी की गई थी। बता दें कि, इन सभी आरक्षणों को बंद करने का एक कारण यह भी है कि इसने स्कूलों में एससी, एसटी व ओबीसी कैटेगरी के आरक्षणों को पूरी तरह से बिगाड़ कर रख दिया है। साथ ही सरकार का यह भी मानना है कि इस विशेष विशेषाधिकार को खत्म करने से कक्षाओं में बढ़ती भीड़ को रोकने में मदद मिलेगी।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार छात्रों के दाखिले के लिए आरक्षण केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और विकलांग बच्चों के लिए बढ़ाया जाएगा। बता दें कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिले की प्रक्रिया जून 2022 तक चलेगी।

लोकसभा में कुल 543 सांसद होते है। वहीं राज्यसभा में 245 सांसद। इन सांसदों की तरफ से सामूहिक रूप से विवेकाधीन कोटा के तहत हर वर्ष 7 वर्ष 880 सीटों पर छात्रों के दाखिले के लिए सिफारिश की जाती थी।

जिन विशेष प्रावधानों को बरकरार रखा गया है उनमें परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र प्राप्त करने वालों के बच्चों को केन्द्रीय विद्यालयों में दाखिला देया जाएगा। वहीं राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के कर्मचारियों के 15 बच्चे, कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बच्चे, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चे जिनकी मृत्यु हो गई है और ललित कला में विशेष प्रतिभा दिखाने वाले बच्चों को भी इस विशेष प्रावधान में शामिल किया गया है।

केंद्र सरकार के अनुसार केवीएस के कामकाज की समीक्षा शिक्षा मंत्री और केवीएस के अध्यक्ष की ओर से की गई थी। इसमें देखा गया है कि, इन कोटे के कारण कक्षाओं में भीड़ होती है, जिससे छात्र और शिक्षक के अनुपात की गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है। वहीं केंद्र सरकार के स्थानांतरित कर्मचारियों के बच्चे, जिन्हें प्रवेश में प्राथमिकता दी जानी चाहिए, उन्हें भी केवी में अपना सही स्थान नहीं मिल पा रहा था। इसी कारण से शिक्षा मंत्रालय, प्रायोजक एजेंसी व सांसदों आदि के विवेकाधीन कोटा को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही प्रायोजक एजेंसियों और जिला कलेक्टरों के कोटा के तहत हजारों प्रवेश के प्रावधान थे, जिन्हें अब भी बंद कर दिया गया है। यह देश भर के केन्द्रीय विद्यालयों में लगभग 40 हजार सीटें खाली कर देगा।

दर्दनाक हादसाः अपने ही घर के ट्रैक्टर बोनट पर बैठकर जा रहा मासुम की स्पीड ब्रेकर के जंपिंग में हाथ छुटने से हुई मौत

माही की गूंज, खवासा।

मौत किसकी, कब, कहां और कैसे हो जाए यह तो कहना नामुमकिन ही है। मंगलवार को रन्नी के डाबी परिवार का एक मासुम अपने ही ट्रैक्टर के बोनट पर बैठ अपने भाई-पिता के साथ मकोडिया होते हुए रन्नी जा रहा था कि, नवनिर्मित पानी की टंकी के आगे मेन मार्ग पर बिछाई पाइपलाईन के बाद सीसी स्पीड ब्रेकर बना दिया गया। वहीं ट्रैक्टर जैसे ही स्पीड ब्रेकर पर जंपिंग हुआ कि, मासूम का हाथ बोनट के डंडे से छूट गया और करीब 10 वर्षीय मासूम बच्चा हाथ छुटते ही ट्रैक्टर के पिछले पहिए में आ गया। पलभर में ही उसका सिर बुरी तरह से ट्रेक्टर पहिये में आकर विच्छेद होकर परलोक सिधार गया। चलते ट्रैक्टर में अचानक हुई उक्त घटना को जिसने भी देखा उसका दिल पसीज गया और मासूम को पोटली में बांध उसके सिर के अंगों को समेट कर ले जाकर उसका अंतिम संस्कार किया गया। पुरा परिवार इस घटना से स्तब्ध हो गया है।

इस सम्बध में जब टंकी एंव पाईपलाईन के ठेकेदार के मेनेजर मुकेश पटेल से चर्चा की तो बताया, स्पीड ब्रेकर ग्राम के लोगो के कहने पर सुरक्षा की दृष्टि से बनाया गया था चुकी इस मार्ग पर तेज गति से वाहन जाते है जो स्पीड ब्रेकर से वाहन की गति धिमे होगी यह बात हमे ग्रामीणो ने कही थी।

पोटली में समेटकर मासूम का शव ले जाते परीजन।

मिशन चन्द्रयान 3 अगस्त में हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने चंद्रमा पर जाने वाले देश के तीसरे अंतरिक्ष यान चंद्रयान-3 की पहली झलक दिखाई है। इस वर्ष अगस्त में इसका लॉन्च अनुमानित है और अभी असेंबलिंग का काम चल रहा है। एक डॉक्युमेंट्री के जरिए इसरो ने अपकमिंग मिशन को दिखाया है। 'स्पेस ऑन व्हील्स' नाम की डॉक्युमेंट्री को इसरो की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, जिसके समारोह के एक हिस्से में इसरो ने अपनी उपलब्धियों को दर्शाया है। हाल में ही इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ यह कह चुके हैं कि ऑर्गनाइजेशन तीसरे चंद्र मिशन के प्रोपल्शन सिस्टम को टेस्ट कर रहा है।

चंद्रयान-3 को वर्ष 2020 के आखिर में लॉन्च किया जाना था, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इस मिशन में देरी हुई। यह एक लैंडर-स्पेसिफकि मिशन है, जिसमें कोई ऑर्बिटर नहीं होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि चंद्रयान -2 का पहला ऑर्बिटर सही तरीके से काम कर रहा है। चंद्रयान-3 मिशन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चंद्रमा पर उतरने की इसरों की दूसरी कोशिश होगा और इंटरप्लेनेटरी मिशन की राह को बेहतर बनाएगा। इसरो ने चंद्रयान -2 मिशन को 22 जुलाई 2019 को लॉन्च किया था, लेकिन वह ज्यादा कामयाब नहीं हुआ। लैंडर के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह से ऐसा हुआ था। हालांकि चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर 20 अगस्त 2019 से चंद्रमा की सतह से लगभग 100 किलोमीटर ऊंचाई पर उसके चारों ओर चक्कर लगा रहा है और चंद्रमा के सतह की तस्वीरें ले रहा है। वह चंद्रमा से जुड़ा डेटा भी इसरो को भेज रहा है। पिछले वर्ष इसने चंद्रमा की 9,000 से अधिक परिक्रमा पूरी कर ली थीं। इसरो को उम्मीद है कि इस ऑर्बिटर से अगले कुछ वर्ष तक उसे अच्छा डेटा मिल सकेगा। बहरहाल, इसरो ने अपनी डॉक्युमेंट्री में चंद्रयान-3 के लैंडर को दिखाया गया है। यह चंद्रमा पर उतरने की भारत की दूसरी कोशिश होगा। इसरो ने डॉक्युमेंट्री में भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान, वीनस ऑर्बिटर मिशन और भारत-अमेरिका के जॉइंट प्रोजेक्ट निसार मिशन पर चल रहे काम को भी दिखाया है। इसरो की साख पूरी दुनिया में है। 2020 में इसने एक रॉकेट से 104 सैटेलाइट लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया था।

ऑर्डर सुनने का आदी नहीं भारत- एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि, भारत अपनी शर्तों पर दुनिया से रिश्ते निभाएगा और इसमें भारत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है। रायसीना डायलॉग में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, वो कौन हैं समझकर दुनिया को खुश रखने की जगह हमें इस आधार पर दुनिया से संबंध बनाने चाहिए कि हम कौन हैं। दुनिया हमारे बारे में बताए और हम दुनिया से अनुमति लें वाला दौर खत्म हो चुका है। विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि, अगले 25 वर्षो में भारत वैश्विककरण का केंद्र होगा।

भारत के 75 वर्ष कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने कहा, जब हम 75 वर्षो को पीछे मुड़कर देखते हैं तो हम सिर्फ वो बीते हुए 75 वर्ष नहीं देखते बल्कि वो 25 वर्ष भी देखते हैं जो आने वाले हैं। हमने क्या पाया और किस चीज में हम विफल रहे? उन्होंने कहा कि, एक चीज जो हम दुनिया को बताने में कामयाब रहे वो ये कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। आज की तारीख की ये सच्चाई है कि लोकतंत्र ही आने वाला भविष्य है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर एस जयशंकर ने कहा कि युद्ध रोकने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका यही है कि दोनों देश बातचीत की टेबल पर आ जाएं।

रूस के साथ व्यापार को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि, आदेश जैसे आर्डर को अब एशिया में चुनौती मिलने लगी है। उन्होंने कहा कि, रूस के साथ व्यापार को लेकर हमें यूरोप से सलाह मिली कि हम रूस के साथ और व्यापार न करें। कम से कम हम किसी को सलाह देने नहीं जाते। आदेश जैसे आर्डर जाने करने वाले यूरोप पर जमकर बरसते हुए विदेश मंत्री ने बिना चीन का नाम लिए कहा कि, यूरोप उस वक्त असंवेदनशील क्यों था जब बीजिंग एशिया को धमका रहा था?

उन्होंने कहा कि, यूरोप के लिए ये जागने का समय है कि वो एशिया की तरफ भी देखे। एशिया दुनिया का हिस्सा है जहां अस्थिर सीमाएं और आंतकवाद जैसी समस्याएं हैं। दुनिया को समझना होगा कि समस्याएं आने वाली नहीं हैं बल्कि आ चुकी है।

सड़क दुर्घटना में मृत पुलिस जवान पुलिस के रिकॉर्ड में निकला जिंदा

कोरबा। छत्तीसगढ़ म ें पुलिसकर्मियों का बड़े पैमाने पर तबादला किया गया है। इसमें निरीक्षक, उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षकों का ट्रांसफर किया गया है। जिसका आदेश डीजीपी अशोक जुनेजा ने जारी किया है। लेकिन राज्य पुलिस स्थापना बोर्ड/मुख्यालय से एक बहुत बड़ी चूक सामने आई है। जिसमें विभाग ने उस आरक्षक का भी तबादला कर दिया, जिसकी मौत एक सड़क हादसे में पिछले वर्ष हुई थी।

जारी आदेश के मुताबिक 318 पुलिस कर्मियों का तबादला किया गया है। जिसमें 253 निरीक्षक, 12 उपनिरीक्षक, 15 सहायक उपनिरीक्षक, 7 प्रधान आरक्षक और 31 आरक्षक का नाम शामिल किया गया है।

कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय के अनुसार डीजीपी जुनेजा ने जो तबादले का आदेश जारी किया है, उसमें से एक पुलिसकर्मी 7 अक्टूबर 2021 को मौत हो चुकी है। ऐसे में पुलिस विभाग की घोर लापरवाही सामने नजर आ रही है। पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेश में 288 नंबर पर आरक्षक तस्लीम आरिफ खान का नाम है, जिनका तबादला कोरबा से मुंगेली किया गया है। अब सवाल ये उठता है कि एक मृत ड्यूटी पर कैसे मौजूद होगा? डीजीपी जुनेजा के आदेश जारी करने के बाद पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं।

सड़क हादसे में हुई थी मौत

आरक्षक तस्लीम आरिफ 7 अक्टूबर 2021 को देर रात 2 बजे अपने घर वापस आते समय उनकी कार अनियंत्रित हो गई और एक घर की दीवार जाकर टकरा गई थी, जिससे उनकी मौत मौके पर ही हो गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422